यूपी में निवेश व मैन्यूफैक्चरिंग करें : प्रधानमंत्री

ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े मेले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो- 2025 (UPITS -2025) का उद्घाटन आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा मेला 29 सितंबर 2025 तक चलेगा। इस ट्रेड शो में ढाई हजार से एक्जीवीटर हिस्सा ले रहे हैं। ट्रेड शो के उदघाटन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत को अब किसी पर निर्भर रहना मंजूर नहीं। भारत को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा। उन्होंने उद्यमियों से उत्तर प्रदेश में निवेश करने और उत्पादन करने का आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा मेला यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 ग्रेटर नोएडा के एक्सपोमार्ट में लगाया गया है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्घाटन करने के लिए ग्रेटर नोएडा के एक्सपोमार्ट में पहुंचे। ग्रेटर नोएडा में पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्रधानमंत्री ने खुलकर की उत्तर प्रदेश की तारीफ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में उत्तर प्रदेश की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश ने उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। उत्तर प्रदेश मोबाइल बनाने, सेमीकंडक्टर बनाने तथा रक्षा उत्पादन बनाने के काम में बहुत बड़ी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जल्दी ही रूस के सहयोग से अत्याधुनिक राइफल बनाने का काम उत्तर प्रदेश में शुरू होने वाला है। उत्तर प्रदेश देश के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे तथा इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला (शेष पृष्ठ-4 पर)

जीएसटी के मुद्दे पर विपक्ष को घेरा

उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े मेले UPITS-2025 के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष के ऊपर जोरदार हमला बोला। जीएसटी रिफार्म का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वर्ष-2014 से पहले की सरकारें टैक्स के नाम पर देश की जनता का खून चूस रही थीं। जीएसटी रिफार्म के कारण देश के आम आदमी को टैक्स में बड़ी छूट मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उदाहरण देकर बताया कि 2014 से पहले यदि कोई परिवार साल में एक लाख रूपए मूल्य तक की खरीददारी करता था तो उसे 25 हजार रूपए टैक्स के रूप में देने पड़ते थे। त्वस्ज्ञ के रिफार्म के बाद कोई परिवार साल में एक लाख रूपये तक की खरीददारी करेगा तो उसे मात्र 5 से 6 हजार रूपए टैक्स के रूप में देने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों की चर्चा (शेष पृष्ठ-4 पर)

जीएसटी सुधार नई संजीवनी : मुख्यमंत्री

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद, यह पहली बार है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश आए हैं। मैं उनका स्वागत करता हूँ। गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, मध्यम वर्ग, व्यापारियों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, सभी समुदायों और जातियों को यह दिवाली का तोहफा मिला है और इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। पिछले चार दिनों में, हम बाज़ारों में एक नई तरह की रौनक देख पा रहे हैं। उपभोक्ता बाज़ारों की ओर दौड़ पड़े हैं। यह हमारे ओडीओपी क्षेत्र के उद्योगपतियों के लिए एक नई संजीवनी साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो का तीसरा संस्करण है। इस आयोजन में 80 देशों के 550 से अधिक खरीदार भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों के 2250 से अधिक प्रदर्शक भागीदार के रूप में भाग ले रहे हैं। यह एक बहुत बड़ा मंच है जो हमें देश और दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश को प्रदर्शित करने के लिए मिला है। उन्होंने कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय जी ने कल्पना की थी कि उन्नति तभी पूरी मानी जाएगी जब सीढी के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की उन्नति होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीन दयाल जी के सपने को साकार करके देश का बड़ा भला किया है।

दंपत्ति ने युवती को आत्महत्या के लिए उकसाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पति-पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है पीड़ित का आरोप है कि पति पत्नी पैसे व काम को लेकर उसकी बेटी को परेशान करते थे। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जनपद बदायूं के रहने वाले रामकुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट बताया कि उनकी 20 वर्षीय बेटी मोहनी (काल्पनिक नाम) काफी समय से पन्ना मध्य प्रदेश निवासी प्रेमलाल यादव के साथ दिल्ली के साउथ वेस्ट में काम करती थी। पिछले दो माह से वह दादरी के नई बस्ती में स्थित एक कैंटीन चला रहे थे। प्रेम लाल यादव उसकी बेटी को तनख्वाह के पैसे देने वह काम को लेकर काफी परेशान करता था कई बार उसकी बेटी ने उसे इस संबंध में बताया रामकुमार का कहना है कि उसने अपनी बेटी को घर आने के लिए कहा लेकिन उसने कहा कि वह अपना हिसाब लेने के बाद ही घर आएगी। प्रेमलाल यादव व उसकी पत्नी प्रीति देवी ने उसकी बेटी का मानसिक उत्पीड़न जारी रखा इससे परेशान होकर 23 सितंबर को मोहनी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर स्थिति में उसे दादरी स्थित सीएचसी में (शेष पृष्ठ-4 पर)

शारदीय नवरात्र
चतुर्थ कूष्मांडा

आज ईशत हास्य से ब्रह्मांड की रचना करने वाली देवी भगवती के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना होगी। इनकी कांति और आभा सूर्य के समान है। जब सृष्टि नहीं थी तब देवी के कूष्मांडा स्वरूप ने ही सृष्टि का विस्तार किया। मां का यह स्वरूप अन्नपूर्णा का है। शाकुंभरी रूप धर देवी ने शाक से धरती को पल्लवित किया और शताक्षी बनकर असुरों का संहार किया। यह प्रकृति और पर्यावरण की अधिष्ठात्री हैं। कृष्मांडा देवी को आराधना के बिना जप और ध्यान संपूर्ण नहीं होते। नवरात्र के चौथे दिन शाक-सब्जी और अन्न का दान फलदायी है। माता के इस रूप में तृप्ति और तुष्टि दोनों हैं।

'तू पापिन है और तुझे तो श्राप है कि लड़का पैदा नहीं होगा'

प्रताड़ित कर माँ-बेटे ने कर दी बहू की हत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शादी में मनमर्जी का दहेज न मिलने तथा शादी के बाद दो बेटियां होने की वजह से पति व सास ने बहु को इतना प्रताड़ित किया कि उसकी मौत हो गई। मृतका के भाई ने सीआरपीएफ में कांस्टेबल व उसकी मां के खिलाफ थाना सूरजपुर में दहेज हत्या का मामला दर्ज कराया है।

जनपद बागपत निवासी अंकित तोमर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने अपनी बहन रितु की शादी वर्ष 2014 में ग्राम सिलाना जनपद बागपत निवासी सोनू मलिक के साथ की थी। शादी के समय उन्होंने अपनी हैसियत

अनुसार दान दहेज दिया था। सोनू मलिक सीआईएसफ में बतौर आरक्षी के पद पर कार्यरत है और वर्तमान में सूरजपुर स्थित सीआईएसएफ कैंप में तैनात है। अंकित तोमर के मुताबिक शादी के कुछ दिनों तक ठीक-ठाक रहा लेकिन कुछ समय बाद उनकी बहन रितु की सास शकुंतला घर का काम करने को लेकर छोटी-छोटी बातों पर उसकी बहन को ताना मारने लगी। इसके साथ ही उसे कम दहेज लाने के लिए भी प्रताड़ित करने लगी। शादी के बाद पहले पुत्री होने के बाद दूसरी बार गर्भधारण करने पर सोनू मलिक व उसकी मां ने रितु पर लिंग परीक्षण करने के लिए काफी दबाव बनाया। इस बारे में रितु ने उन्हें जानकारी दी जिसके बाद उन्होंने उसके ससुराल वालों से बात कर उन्हें समझाया। संयोगवश दूसरा बच्चा भी बेटी के रूप में हुआ। दो बेटियां होने के बाद रितु के पति सोनू मलिक ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। मां बेटा दोनों उसकी बहन से कहने लगे कि वह पापिन है और उसे श्राप है कि उसे (शेष पृष्ठ-4 पर)

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहुंचे अभिनेता अर्जुन कपूर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 का आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के दौरान बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इंटरनेशनल फिल्म सिटी के स्टॉल पर पहुंचे। इस अवसर पर यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीआईडीए) के सीईओ राकेश कुमार सिंह और ओएसडी शैलेन्द्र भाटिया भी मौजूद रहे।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी, जो यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बनने जा रही है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। फिल्म सिटी को बोनी कपूर के नेतृत्व में विकसित

किया जा रहा है। अर्जुन कपूर बोनी कपूर के पुत्र हैं, फिल्म सिटी के प्रमोशन के लिए यहां पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत बहुत जल्द होने वाली है और यह क्षेत्र के लिए नए आर्थिक और रोजगार अवसरों का केंद्र बनेगी। ट्रेड शो में फिल्म निर्देशक बोनी कपूर भी आए हैं।

महिला के साथ अभद्रता व मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा क्षेत्र के प्यावली जैतवारपुर गांव में महिला व उसके बेटी बेटे ने पड़ोस में रहने वाली महिला के साथ अभद्रता की। विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने महिला के घर में घुसकर परिजनों के साथ मारपीट की।

प्यावली जैतवारपुर निवासी कपिल राणा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी पत्नी शालू अपने घर की तरफ आ रही थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाली मिथिलेश ने पुरानी बात को लेकर उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी शालू ने जब इस बात का विरोध किया तो मिथिलेश अपने बेटे पवन व बेटी के साथ जबरन उनके घर में घुस आई।

लोगों ने शालू के साथ लाठी डंडों से मारपीट शुरू कर दी। घर में मौजूद उनके भाई मनदीप व उसकी पत्नी अनीता ने जब बीच बचाव का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। झगड़ा होता देखकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए इसके बाद तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

कैब चालक ने की युवती के साथ गाली-गलौज

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 में एक युवती ने कैब चालक के खिलाफ अभद्रता करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि यात्रा के दौरान उसने जाम की वजह से ड्राइवर को दूसरे रास्ते से चलने के लिए कहा जिस पर उसने गाली गलौज शुरू कर दी और कार की डिग्गी से रॉड निकालकर उसे तथा उसकी सहेलियों को जान से मारने की धमकी दी।

सपना गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने अपनी सहेलियां जैस्मिन, रिया, वैष्णवी व वंशिका के साथ ऑफिस जाने के लिए कैब बुक की थी। बोटैनिकल गार्डन पर कैब आने के बाद वह अपने ऑफिस सेक्टर-128 के लिए उसमें सवार हो गई। इस दौरान (शेष पृष्ठ-4 पर)

फायर फाइटिंग व प्लंबिंग कंपनी ने हड़पे लाखों रुपये

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अस्पताल में फायर फाइटिंग व प्लंबिंग का काम करने वाली कंपनी के डायरेक्टरों ने 30 लाख रुपए से अधिक पैसे हड़प लिए। इसके बाद भी आरोपी अस्पताल के डायरेक्टर को झूठे मुकदमे में फंसाकर उनसे पैसे मांग रहे हैं। अस्पताल की यूनिट के हेड ने दो आरोपियों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में मानव अरोड़ा ने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बना रहे सर्वव्यापी हॉस्पिटल में यूनिट हेड के पद पर कार्यरत है। 11 फरवरी 2022 को उनके कंपनी अंशु हॉस्पिटल लिमिटेड ने सर्वोदय हॉस्पिटल में प्लंबिंग और फायर फाइटिंग का वर्क आर्डर मेसर्स न्यूटन पावर इंफ्रा को दिया था। न्यूटन पावर इंफ्रा की तरफ से डायरेक्टर अलीना और हसन ने वर्क आर्डर (शेष पृष्ठ-4 पर)

प्रिंटिंग की कंपनी में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-2 स्थित मैगजीन स्कूल की किताबों की प्रिंटिंग की कंपनी में घुसे चोर को इलेक्ट्रीशियन ने कमरे में बंद कर दिया। इलेक्ट्रीशियन सिक्योरिटी गार्ड को बुलाने चला गया। इस दौरान चोर दीवार के ऊपर लगे टीन शेड के बीच से बाहर निकल गया। कैलाशनगर गाजियाबाद के रहने वाले मामचंद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह फेस-2 स्थित एमपी प्रिंटर्स यूनिट का डीबी कॉरपोरेशन लिमिटेड में हर के पद पर कार्यरत है। उनकी कंपनी में मैगजीन स्कूल की किताबों की प्रिंट का काम होता है। 25 जुलाई (शेष पृष्ठ-4 पर)

डॉग शेल्टर व फीडिंग प्वाइंट स्थल का चिन्हीकरण शुरू

दो डॉग शेल्टर चालू, दो नये बनेंगे, 2 .5 करोड़ रूपये होंगे खर्च

नोएडा (चेतना मंच)। लोगों की बढ़ती मांग तथा सुप्रीम कोर्ट के आदेश को अमली जामा पहनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण गंभीर है। प्राधिकरण शीघ्र ही आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए नोएडा प्राधिकरण गंभीर है। प्राधिकरण शीघ्र ही आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए शहर में 1200 फीडिंग प्वाइंट तैयार करेगा। फीडिंग प्वाइंट तथा डॉग शेल्टर बनाने में करीब 2.5 करोड़ रूपये की लागत आएगी। इन फीडिंग प्वाइंट का रखरखाव, भोजन की व्यवस्था तथा साफ-सफाई में आरडब्ल्यूए तथा सोसायटी के एओए की भागीदारी तय की जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया कि इन फीडिंग प्वॉइंट्स को

निर्धारित करने के लिए पूरे शहर में सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन और आरडब्ल्यूए की मदद ली जाएगी।

फिलहाल यह तय किया गया है कि उपयुक्त स्थानों को चिह्नित कर वहां स्थायी फीडिंग जोन बनाए जाएंगे, ताकि कुत्तों को सुरक्षित ढंग से खाना दिया जा सके। इससे न केवल आवारा कुत्तों को भोजन मिलेगा बल्कि आवासीय इलाकों में उनके इधर-उधर घूमने और झुंड में इकट्ठा होने की समस्या भी कम होगी। प्राधिकरण के अनुसार इन फीडिंग प्वॉइंट्स की देखरेख की जिम्मेदारी एओए और स्थानीय निवासियों की होगी। प्राधिकरण केवल निर्माण और शुरुआती व्यवस्था करेगा। बाद में वहां साफ-सफाई, भोजन की व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखना एओए, आरडब्ल्यूए की भागीदारी से सुनिश्चित किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, जरूरत पड़ने पर औद्योगिक सेक्टरों में भी ऐसे फीडिंग प्वॉइंट बनाए जा सकते हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से शहरवासियों और पशु दोनों के लिए संतुलित और सुरक्षित वातावरण तैयार होगा। नोएडा प्राधिकरण ने अपील की है कि निवासी इस योजना में सहयोग करें और तय स्थानों पर ही कुत्तों को भोजन दें।

बस से युवक का मोबाइल चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र में बस में यात्रा कर रहे एक युवक का मोबाइल फोन चोरी हो गया। पीड़ित युवक ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। चिपियाना खुर्द निवासी धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका पुत्र शिवांश श्रीवास्तव नेत्र टेक्निकल केंपस कॉलेज से बस द्वारा वापस घर आ रहा था। बस में अधिक भीड़ होने का फायदा उठाते हुए किसी चोर ने उसकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

गाजा में दमन

गाजा में फलस्तीनियों के चौरतरफा दमन के बीच यदि ब्रिटेन, कनाडा और आस्ट्रेलिया ने फलस्तीन राज्य को मान्यता दी है तो इसे बड़े कूटनीतिक बदलाव के रूप में देखना चाहिए। अमेरिका की इच्छा के विपरीत यदि जी–7 के देश फलस्तीन राज्य को समर्थन दे रहे हैं तो इसके गहरे निहितार्थ हैं। जो इस्राइल को असहज करने वाले होंगे, क्योंकि इस्राइल द्विराष्ट्र सिद्धांत को मानने को कभी राजी नहीं हुआ है। अभी कई देश मान्यता देने का मन बना रहे हैं। अमेरिकी संरक्षण में फलस्तीनियों के दमन में लगे इस्राइल पर वैश्विक जनमत का कोई तत्काल असर नजर नहीं आता है, लेकिन देर–सवेर स्थितियां जरूर बदलेंगी। बहरहाल, इस्राइल–हमास के संघर्ष में पिसते फलस्तीनियों की पहचान का मुद्दा फिर जोर पकड़ रहा है। केवल जी–समूह के देश ही नहीं, फ्रांस भी फलस्तीनियों को मान्यता देने का मन बना चुका है। गाजा में मानवता के क्रंदन से दुनिया के सभी बड़े देश विचलित हैं और अपने–अपने देशों में जन–दबाव महसूस कर रहे हैं। सवाल यह है कि जब संयुक्त राष्ट्र के तीन–चौथाई से ज्यादा सदस्यों ने फलस्तीनी राज्य के दर्जे को वैधता प्रदान कर दी है, तो जमीनी हकीकत में बदलाव क्यों नहीं आ रहा है। बहरहाल, लंबे समय से आत्मनिर्णय की गरिमा से वंचित लाखों लोगों के लिए, यह अधिकारों की पुष्टि और प्रतीकात्मक जीत दोनों ही हैं। लेकिन यह भी हकीकत है कि कागजी मान्यता से जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली। पश्चिमी तट पर इस्राइली बस्तियों का विस्तार निर्बाध रूप से जारी है। दूसरी ओर गाजा की नाकाबंदी भी अभी जारी है। राहत सामग्री बांटने के नाम पर जिस तरह भूखे लोगों का दमन किया गया, उसने सभ्य दुनिया के औचित्य पर सवाल ही उठाये हैं। गाजा में समय–समय पर हिंसा भड़कती रहती है, जिससे फिलहाल स्थिरता की कोई सूरत नजर नहीं आती। फलस्तीनी आज भी तरह–तरह के प्रतिबंधों के बीच जिंदगी के दिन गिन रहे हैं। निस्संदेह, इस्राइल द्वारा लगाये गए तमाम प्रतिबंध फलस्तीन की संप्रभुता की अवधारणा का मजाक ही उड़ाते हैं। वास्तव में पश्चिमी देशों द्वारा दी गई मान्यता जब तक व्यावहारिक उपायों मसलन राजनीतिक, आर्थिक और कानूनी प्रावधानों द्वारा समर्थित नहीं होती, तब तक इन घोषणाओं का सिर्फ प्रतीकात्मक महत्व ही रह जाता है। विडंबना यह भी है कि जी–7 के अन्य प्रमुख देश अमेरिका, जर्मनी, इटली और जापान ने फलस्तीन को मान्यता देने से इनकार किया है। उनकी दलील है कि यह प्रश्न इस्राइल की सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है। लेकिन वास्तव में शांति इस आधार पर कायम नहीं की जा सकती है कि एक व्यक्ति के अधिकार दूसरे की सुरक्षा की भावना पर निर्भर हों। द्विराष्ट्र समाधान, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने एकमात्र व्यवहार्य ढांचे के रूप में समर्थन दिया है, समानता की मांग करता है। भारत ने वर्ष 1988 में फलस्तीन को मान्यता दी थी। साथ ही इस्राइल के साथ घनिष्ठ संबंध बनाते हुए भी उसके राज्य के दर्जे के पक्ष में समर्थन व्यक्त किया है। लेकिन, मौजूदा संघर्ष के दौरान, भारत ने प्रतिक्रिया देने में स्पष्ट रूप से देरी की है। निश्चिय ही यह भारत की ऐतिहासिक एकजुटता और रणनीतिक साझेदारी के बीच सतर्क संतुलन को ही दर्शाता है। दरअसल, यह हिचकिचाहट नैतिक स्पष्टता और व्यावहारिक राजनीति के साथ संरेखित करने की कठिनाई को रेखांकित करती है। बहरहाल, मान्यता की लहर को केवल नैतिक दिशासूचक के रूप में देखा जा सकता है। वास्तव में गाजा संकट की विभीषिका के बीच बस्तियों के विस्तार को रोकने, प्रतिबंधों को हटाने, मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने तथा विश्वसनीय वार्ता को आगे बढ़ाने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं होता तो फलस्तीन सिर्फ एक नाममात्र का राज्य बनकर रह जाएगा। यह इस बात की भी परीक्षा है कि क्या अंतर्राष्टीय समुदाय में तत्काल कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति है। दुनिया के देशों को ध्यान रखना चाहिए कि इस्राइल व हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से 65 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश आम लोग हैं। इसके अलावा लाखों लोग भुखमरी और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। वहीं कतर की राजधानी दोहा पर इस्राइली हमले के बाद गाजा में संघर्षविराम की स्थिति भी धूमिल होती नजर आ रही है।

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझभरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति–आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक–एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, इंसान–इंसान के बीच दूरियां–विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत–विक्षत कर दिया।

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था–जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आज़ादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति–आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा। समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने–बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून–व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति–आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान को महत्व मिलेगा।

किसी जाति के प्रति लगाव दर्शाने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत

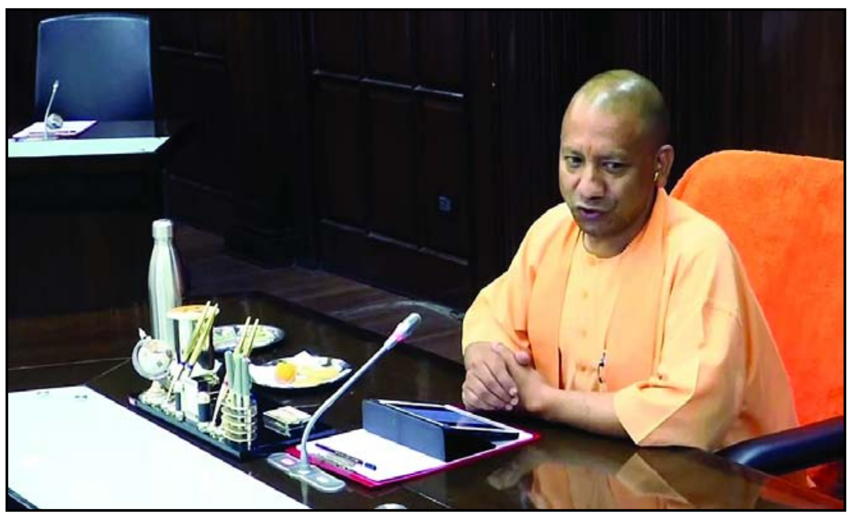

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया।

परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच–नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा–निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा। यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दर्शाने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं।

यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा–निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर–वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज–खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे 卐जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी। वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून–व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्टहित और जनहित की राजनीति करनी होगी।

जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढा़ते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढती़ रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए। यह भ्रांति भी फैल रही है कि अपनी जाति के लोग या अधिकारी या नेता ही अपनी जाति के समुदाय या लोगों की मुसीबत में साथ खड़े होते हैं। ऐसी तमाम सामाजिक व प्रशासनिक खामियों एवं विडम्बनाओं से उबरने की जरूरत योगी सरकार ने महसूस की है। अन्यायी के खिलाफ बिना जाति देखे खड़ा होना चाहिए। संविधान की भी मंशा यही है कि हर नागरिक को अपने समाज की ताकत बनकर आगे बढ़ना चाहिए और ध्यान रहे, यह समाज मात्र एक जाति आधारित न रहे। हर जाति महत्वपूर्ण है और सबका विकास हो, पर जाति आधारित लगाव या राजनीति का दिखावा खत्म होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह कदम भारतीय समाज को जातिवाद की जंजीरों से मुक्त कराने का बड़ा अवसर है। यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएं और भारत को सच्चे अर्थों में समानता, न्याय और बंधुत्व की धरती बनाएं।

– **ललित गर्ग**
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि दोनों भाई ब्राह्मण विश्वामित्र का काम करके और रास्ते में मुनि गौतम की स्त्री अहल्या का उद्धार करके यहाँ धनुषयज्ञ देखने आए हैं। यह सुनकर सब स्त्रियाँ प्रसन्न हुईं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

देखि राम छबि कोउ एक कहई। जोगु जानकिहि यह बरु अहई॥
जौं सखि इन्हहि देख नरनाहू। पन परिहरि हठि करइ बिबाहू॥

श्री रामचन्द्रजी की छबि देखकर कोई एक (दूसरी सखी) कहने लगी– यह वर जानकी के योग्य है। हे सखी! यदि कहीं राजा इन्हें देख ले, तो प्रतिज्ञा छोड़कर हठपूर्वक इन्हीं से विवाह कर देगा॥

कोउ कह ए भूपति पहिचाने। मुनि समेत सादर सनमाने॥
सखि परंतु पनु राउ न तजई। बिधि बस हठि अबिबेकहि भजई॥

किसी ने कहा– राजा ने इन्हें पहचान लिया है और मुनि के सहित इनका आदरपूर्वक सम्मान किया है, परंतु हे सखी! राजा अपना प्रण नहीं छोड़ता। वह होनहार के वशीभूत होकर हठपूर्वक अविवेक का ही आश्रय लिए हुए हैं (प्रण पर अड़े रहने की मूर्खता नहीं छोड़ता)॥

कोउ कह जौं भल अहइ बिधाता। सब कहँ सुनिअ उचित फल दाता॥
तौ जानकिहि मिलिहि बरु एहू। नाहिन आलि इहाँ संदेहू॥

कोई कहती है– यदि विधाता भले हैं और सुना जाता है कि वे सबको उचित फल देते हैं, तो जानकीजी को यही वर मिलेगा। हे सखी! इसमें संदेह नहीं है॥

(क्रमश:..)

कलस्टर प्लानिंग की अवधारणा

कलस्टर प्लानिंग के जरिए हिमाचल अपनी शिक्षा पद्धति को एक नई सूरत, ऊर्जा, अनुभव तथा जवाबदेही से पुष्ट करने की मंशा रखता है। स्कूली शिक्षा के शिखर पर एक निदेशालय की प्रस्तुति में अनेक शिक्षण संस्थाओं को एक ही सूत्र में पिरोने के लिए आइंदा सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को कलस्टर के मुखिया के तौर पर व्यवस्थित करने का काम अगर पूरा होगा तो 1988 के करीब जमा दो स्कूलों के तहत सारे हाई, मिडल और प्राइमरी स्कूल नई परिपाटी बनाएंगे। इस तरह विभिन्न स्तरों पर फैले 12166 स्कूल, 1988 जमा दो स्कूलों के प्रिंसीपलों के अंतर्गत प्रबंधन की एक नई पहल आजमाएंगे। व्यवस्था को नजदीक से देखने और पारंगत करने के लिए, पर्वतीय राज्य की प्लानिंग में कलस्टर की अवधारणा एक भविष्यगामी कदम होगा और इस तरह के प्रयोग हर विभाग में होने चाहिएं। प्रशासनिक और प्रबंधकीय शक्तियों का विकेंद्रीकरण यूं तो सहज प्रक्रिया का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन हिमाचल में निजी क्षेत्र के मुकाबले कार्यों की दक्षता में बिखराव को रोकने की जरूरत है। यह इसलिए भी कि कद से बड़ा ढांचा हमने बना दिया, लेकिन उपयोगिता के मानदंड तय नहीं हुए। अब यहां सवाल दो सौ स्कूल को सीबीएसई से जोडऩे का भी है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन इस तजुर्बे को हकीकत में आने से पहले मीन मेख निकाल रहे हैं, जबकि यह व्यस्थागत प्रश्न है और शिक्षा की अधोसंरचना का बेहतर इस्तेमाल भी। शहरी सरकारी स्कूल अगर दिल्ली–चंडीगढ़ के आचरण में सीबीएसई के उत्कृष्ट प्रांगण हो जाएं, तो यह युग बदलने का संकल्प है और प्रतिस्पर्धा में खड़े होने का एक मुकाम भी। यानी सरकारी स्कूलों में एक कलस्टर हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड, दूसरा सीबीएसई के अधीन तो तीसरा आईसीएसई के तहत भी बांटा जा सकता है। शिक्षा में कलस्टर सिस्टम की अवधारणा को चिकित्सा क्षेत्र में भी पारंगत करना होगा ताकि विशेषज्ञता और दक्षता को प्रमाणित करते संस्थान भी एक संघटन की तरह काम करें। मसलन मेडिकल कालेजों की परिधि या क्षेत्रीय एवं जोनल अस्पतालों के कलस्टर में सारे छोटे–बड़े अस्पताल एक सूत्र में चिकित्सा सेवाओं की कर्मठता, दक्षता तथा क्षमता का विस्तार कर सकें।

कलस्टर और रैफरल सिस्टम में अंतर है। रैफरल सिस्टम ने अस्पतालों की हैसियत को मेडिकल कालेजों की कार्यप्रणाली के तहत ध्वस्त करने का जरिया बना दिया, जबकि कलस्टर सिस्टम में मेडिकल कालेजों जैसी व्यवस्था को निचले स्तर तक बांटने की प्रथा शुरू होगी। यानी मेडिकल कालेजों के एक्सपर्ट अपनी परिधि में विशेष क्लीनिक चलाने के लिए बाध्य हो सकते हैं। हिमाचल को शिक्षा–चिकित्सा के अलावा ट्रांसपोर्ट, शहरी विकास तथा आवासीय जरूरतों को कलस्टर प्लानिंग के तहत आगे बढ़ाने की जरूरत है। ग्रामीण और शहरी विकास के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए पूरे प्रदेश में टीसीपी के तहत कम से कम आधा दर्जन क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण गठित करके विभिन्न नागरिक सुविधाओं का विस्तार संभव है। कई शहरों को एक साथ जोडक़र कलस्टर प्लानिंग में कॉमन कार्यालय, अदालती परिसर, केंद्रीय बस स्टैंड एवं बस डिपो तथा सार्वजनिक परिवहन का एक स्थानीय व इंटरसिटी नेटवर्क खड़ा किया जा सकता है। सरकारी बस रूटों को कलस्टर के रूप में देखें तो अनावश्यक नुकसान से बचा जा सकता है। पूरे प्रदेश की सरकारी संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल व रखरखाव के लिए एक सार्वजनिक रियल एस्टेट प्राधिकरण की स्थापना से सभी विभाग कॉमन पूल के जरिए अपनी जरूरतें पूरी कर सकते हैं। विभिन्न प्रशासनिक शहरों के बीच कार्यालयों, कर्मचारी आवास और नागरिक सुविधाओं से दबाव हटाने के लिए कर्मचारी नगर बसाने चाहिएं। ये शहर धर्मशाला–पालमपुर, हमीरपुर–बिलासपुर, मंडी–कुल्लू या सोलन–शिमला के बीच बसाए जाएं तो शहरों का अनावश्यक दबाव घटेगा और राजधानी से कई कार्यालय इन स्थानों पर शिफ्ट हो पाएंगे।

क्या डिजिटल युग में अब भी 'कैश' है किंग?

डिजिटल तकनीक और एआई के दौर में बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर में जबरदस्त बदलाव आया है। खासकर पेमेंट सिस्टम में क्रांति देखने को मिली है। 1960 के दशक में जहां नकद ही लेन–देन का प्रमुख जरिया था, वहीं 2000 के बाद स्मार्टफोन और इंटरनेट ने डिजिटल भुगतान को लोकप्रिय बना दिया। भारत में 2016 की नोटबंदी के बाद पेटीएम, गूगल पे और फोनपे जैसे एप्स के साथ–साथ एनपीसीआई द्वारा शुरू किया गया यूपीआई सिस्टम ने पेमेंट इंडस्ट्री की तस्वीर बदल दी। एनपीसीआई के मुताबिक यूपीआई ट्रांजेक्शन का मूल्य आज 25,08,498.09 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

आदित्य अग्रवाल

फिर भी भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 2 मई 2025 तक देश में 38.1 लाख करोड़ रुपये नकद मुद्रा प्रचलन में रही, जो जीडीपी का 11.5त्न हिस्सा है और इसमें 2.4% की वृद्धि दर्ज हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार भारत जैसे विकासशील देश में बड़ी आबादी के पास अब भी स्मार्ट डिवाइस और इंटरनेट की सुविधा नहीं है। यही वजह है कि कैश अब भी लोगों की पहली पसंद बना हुआ है।

विदेशों में भी नकद भुगतान की अहमियत बनी हुई है। अमेरिका में 67%, जर्मनी में 71% और ऑस्ट्रिया में 79% आबादी अब भी कैश से भुगतान करना पसंद करती है। निष्कर्ष साफ है— डिजिटल लेन–देन की तेजी के बावजूद नकद का महत्व कम नहीं हुआ है और आज भी कहा जा सकता है कि कैश इज़ स्टिल किंग।

राशिफल

अश्विन माह, कृष्ण पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेम,संतान थोड़ा मध्यम रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। प्रेम–संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
क्रोध में आकर कोई फैसला न लें। भावुकता में आकर कोई फैसला न लें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी होगी। भौतिक सुख–संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
रोजी–रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। किसी भी नए व्यापार की शुरुआत के लिए शुभ समय है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धनार्जन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम–संतान की स्थिति बहुत अच्छी व व्यापार बहुत अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी। जहां गर्माहट की जरूरत है, वहां आप गर्म हो रहे हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सिरदर्द, नेत्रपीड़ा बना रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट–कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। कार्यों की विघ्न–बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य में सुधार।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
थोड़ा बचकर पार करें। परिस्थितियां ठीक नहीं चल रही है। कोई रिस्क लेने लायक नहीं है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट–चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

सेक्टर-46 श्री राम लखन धार्मिक लीला

विश्वामित्र के साथ वाटिका को निकले राम-लक्ष्मण

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 के द्वारा बुधवार को रामलीला के तीसरे दिन रामलीला के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मदन चौहान पूर्व राज्य मंत्री मौजूद थे।

इस अवसर पर पंडित कृष्ण स्वामी ने सफल रामलीला का मंचन करते हुए विश्वामित्र जी का आगमन और राम लक्ष्मण को लेकर वाटिका में जाना लीला का मंचन हुआ ,इतना ही नहीं गुरु विश्वामित्र के आदेश अनुसार राम लक्ष्मण द्वारा ताड़का व सुभाशु का संहार करना, मारिच को समुद्र में फेंक देना तथा महाराजा जनक द्वारा विश्वामित्र जी का सम्मान करना, राम लक्ष्मण का जनकपुरी में घूमने और पुष्प वाटिका में सीता से राम जी की भेंट होना आदि लीला का मंचन किया गया। इस दौरान रामलीला के कलाकारों द्वारा एक से एक कलाकारी पेश कर लोगों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सी एम डी प्रिया गोल्ड, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिरिराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पंडित कृष्ण स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार, रामवीर यादव, अशोक गोयल विकास बंसल, संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, सुशील गुप्ता, मनोज चौहान, मदन शर्मा, नरेश कुचछल, वी के राणा, शरद कुमार सिन्हा, प्रदीप गुप्ता, पवन अग्रवाल, नवीन सोनी, राम अवतार सिंह, अखिल जैन, विकास जैन, दीपांशु अग्रवाल आदि मौजूदथे।

सेक्टर-12 बजरंग रामलीला संचालिका समिति

ताड़का वध के साथ हुआ रामलीला का मंचन

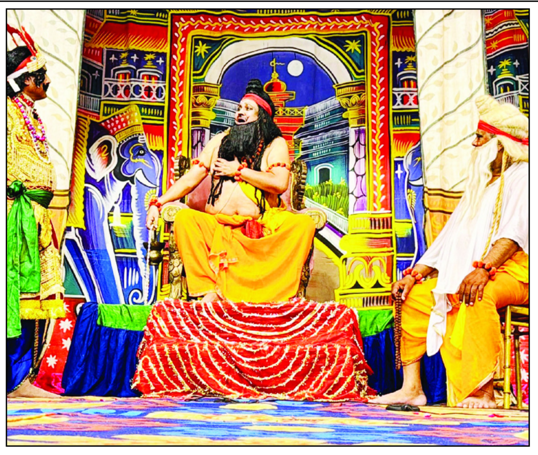

नोएडा (चेतना मंच)। बजरंग रामलीला संचालिका समिति के द्वारा भव्य रामलीला मंचन सेक्टर-12 में हों रहा है, लीला मे दशरत द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ होगा और राम भगवान का जन्म के साथ विस्वामित्र द्वारा अपने यज्ञ की रक्षा के लिए राम और लक्ष्मण को ले जाना के साथ ताड़का वध हुआ ये रामलीला सेक्टर-12 में भव्य होती है और हम सबके भगवान राम की लीलाओं को विस्तृत रूप से दिखाया जाता है। इस अवसर समिति के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, मुख्य संरक्षक राधाकृष्ण गर्ग, शिवलाल सिंह, कमलाकर त्रिपाठी, पद्माकर त्रिपाठी, कुमार शांतनु, गुरुदयाल विज, एस एन पांडेय, राहुल पांडेय, मनोज तिवारी,बीके पांडेय, राजेश पांडेय,प्रभात,गोपाल, गोरव, सुकोमल मडंल, एन के तिवारी, अनुराग गोविल, सजीव दुवेदी, नितिन पांडेय, निखिल, वीरेन्द्र सिंह, सुनील सिन्हा, आदि कमेटी के सभी सम्मानित पदाधिकारी रहे।

ग्रेटर नोएडा के गौतमबुद्धनगर विश्व विद्यालय पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का करवद्ध होकर स्वागत करते भारतीय जनता पार्टी व्यापार मोर्चा के जिला संयोजक तथा उ.प्र. युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन तथा भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान आदि।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं का सम्मान

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 33 स्थित अग्रसेन भवन में अग्रवाल मित्र मंडल नोएडा द्वारा प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं का सम्मान किया गया वहीं सेक्टर 51 स्थित सेवरॉन बैंक्विट में माता की चौकी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ हवन एवं महाराजा अग्रसेन जी के चित्र पर माला एवम पुष्प अर्पित करके किया गया।

संस्था के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि हमारी संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष वैश्य समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का जो दसवीं, बारहवीं के साथ साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी, एमबीए आदि में अच्छा प्रदर्शन करते हैं उन सभी प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया जाता है, इस वर्ष जिन बच्चों ने 96 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए थे उनको भीमसेन मित्तल द्वारा चांदी का सिक्का उपहार स्वरूप दिया गया।

महासचिव सुशील सिंघल ने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन आयोजित माता की चौकी में माँ का गुणगान इंडियन आइडल फेम मोहित गुप्ता एंड टीम द्वारा किया गया, माता की चौकी में संस्था के सभी सदस्यों के साथ - साथ शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस आयोजन में अनुज गुप्ता कोषाध्यक्ष, बलराज गोयल संयोजक, सह संयोजक भूपेंद्र मित्तल, संदीप अग्रवाल, संजय गोयल, राजेंद्र जैन, एडवोकेट विकास बंसल, अमित पालीवाल, सीए मनोज अग्रवाल, अमिश राजवंशी, पुनीत गर्ग अनुज अग्रवाल, मनीष गुप्ता, अशोक गोयल, मुकेश गुप्ता, टी एन गोविल, पीयूष मोहन, मोहनलाल गुप्ता, सत नारायण गोयल, परमात्मा शरण बंसल, राकेश गुप्ता स्वानी फर्नीचर, डीके मित्तल, सुशील गुप्ता, कुलदीप गुप्ता, राजीव अग्रवाल, राधेश्याम गोयल, राजेश जिंदल, अमित गोयल, मनीष गोयल, मुकेश गुप्ता, तुषार गोयल का विशेष योगदान रहा।

नोएडा स्टेडियम में श्रीराम लीला का भव्य मंचन, दर्शक भावविभोर

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वाधान में हरि भक्ति कला ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव का भव्य मंचन नोएडा स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस सांस्कृतिक और भक्ति समर्पित आयोजन का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक पंकज शर्मा ने किया।

मंचन की शुरुआत अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्रों-राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म और नामकरण संस्कार से हुई। इसके बाद माता सीता के जन्म, राजकुमारों की शिक्षा और दीक्षा, तथा ऋषि विश्वामित्र द्वारा यज्ञ की रक्षा हेतु राम-लक्ष्मण की मांग जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया।

मंच पर ताड़का वध, मारीच को वायुवाण से दूर फेंकना, सुबाहु वध और अहिल्या उद्धार जैसे दृश्य भावपूर्ण संवाद और अभिनय के माध्यम से दर्शकों के समक्ष जीवंत किए गए। इस दौरान दर्शक बार-बार तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे।

कलाकारों का समर्पित प्रदर्शन, दशरथ-पंकज शर्मा, विश्वामित्र-हरीश शर्मा, राजा जनक-महेश, श्रीराम-अभिमन्यु, लक्ष्मण-गर्व गुप्ता, ताड़का-मनीष, मारीच व सुबाहु-हिमांशु और हरिओम, हर कलाकार ने अपने पात्र में निष्ठा और भावपूर्ण अभिनय के माध्यम से मंच पर जीवन्तता का संचार किया।

इस भव्य आयोजन में डा. टी.एन. गोविल, टी. एन. चौरसिया, अल्पेश गर्ग, अतुल मित्तल, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, संजय गोयल, पंकज जिंदल, विपिन बंसल, राजीव अजमानी, प्रदीप अग्रवाल, संजय गुप्ता, सुशील भारद्वाज, मित्रा शर्मा, चंद्रपाल सिंह, शुभकरण सिंह राणा, रमेश कुमार, चितरंजन कुमार, कुलदीप गोयल, के.के. दत्ता, पीयूष द्विवेदी, परवेश बंसल, महेश चौहान, पुष्कर शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजेश भारद्वाज बने बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के ऑर्गेनाइजेशन कमेटी (एलओसी) बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल के चेयरमेन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय बॉक्सिंग के लिए एक और गौरवपूर्ण अवसर तब सामने आया जब राजेश भारद्वाज को बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के ऑर्गेनाइजेशन कमेटी (एलओसी) बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल का चेयरमेन का चेयरमेन नियुक्त किया गया। ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रींस गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट्स में आयोजित भव्य समारोह में इस घोषणा के साथ ही महिला बॉक्सरों को भी सम्मानित किया गया। जिन्होंने वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इस समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री और मशहूर अभिनेत्री स्मृति ईरानी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

राजेश भारद्वाज ने कहा कि वे अपनी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल की तैयारियों में पूरी तरह से सक्रिय रहेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि भारत की खेल संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय छवि को मजबूत करने का भी माध्यम बनेगा।

आजम खान की रिहाई पर जताई खुशी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिन व चौधरी हसरूद्दीन खान राजपूत ने सपा के वरिष्ठ नेता आज़म खान के जेल रिहाई पर लोकतंत्र की जीत बताते हुए कहा है कि भाजपा सरकार एक बार फिर हार गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का लगातार उत्पीड़न कर रही है, जिसे अब किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज़म खान के रिहाई से यह साबित हो गया कि भाजपा सरकार देश की भावना से कार्रवाई करने का काम कर रही है। चौधरी खान ने कहा कि 2027 में होने वाले आम विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में बनने जा रही है और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मुख्यमंत्री पद पर आसीन होंगे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

पीएम ने जीएसटी की दरें घटाकर जनता को दी बड़ी सौगात : प्रणीत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एक्सपो मार्ट में आज मेले का उद्घाटन करने पहुंचे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री प्रणीत भाटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तकदीर एवं तस्वीर दोनों बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में रोजगार के साथ-साथ सुरक्षा क्षेत्र एवं अन्य विकास कार्य तेजी के साथ हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जीएसटी में काम करके जनता को एक बड़ा उपहार देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यश कुमार में आज मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में स्टार लगाने वाले व्यापारियों के मन में खुशी का माहौल था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को जिस तरह से आगे बढ़ाया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश एवं प्रदेश को चहुमुखी विकास की ओर ले जाने का काम किया है।

धार्मिक रामलीला का भव्य मंचन, नारद मोह लीला ने बांधा दर्शकों का मन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आज भगवान श्रीराम की लीला का दूसरा दिन भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस आयोजन का संचालन परम पूज्य गोस्वामी सुशील महाराज के दिशा निर्देशन और अध्यक्ष आनंद भाटी के मार्गदर्शन में किया गया।

अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया कि आज की मुख्य लीला नारद मोह थी। इस कथा में भगवान नारद अपने तप का अभिमान कर बैठते हैं। अनेक अप्सराओं के प्रयास और स्वयं कामदेव के प्रयास के बाद अंततः कामदेव को घुटने टेकने पड़ते हैं। इस घटना से भगवान नारद का अहंकार चरम पर पहुँचता है। अहंकार के प्रभाव में भगवान नारद भगवान शिव और ब्रह्मा जी की नहीं सुनते और सीधे भगवान विष्णु के पास जाते हैं। भगवान विष्णु ने अपने भक्त को अहंकार से मुक्ति दिलाने के लिए अद्भुत माया का दृश्य प्रस्तुत किया। इसके बाद नारद द्वारा भगवान विष्णु को श्राप देने का मनमोहक दृश्य मंचित किया गया।

इस लीला का संदेश भगवान श्रीराम के अवतार से जुड़ा है और यह सामाजिक मार्गदर्शन एवं जीवन शिक्षा देने वाली रही। इसके अतिरिक्त देवा-सुर संग्राम का दृश्य भी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा और एन पी सिंह परम पूज्य गोस्वामी सुशील महाराज, संस्थापक एडवोकेट राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेर सिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, धीरेंद्र भाटी, मनोज गुप्ता, सतीश भाटी, दिनेश गुप्ता, पवन नागर, बालकिशन सफीपुर, धीरज शर्मा, अध्यक्ष आनंद भाटी, महासचिव श्रीमती ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश शर्मा बदौली, सुभाष भाटी, उमेश गौतम, योगेंद्र भाटी, मनीष डाबर, श्रीमती रोशनी सिंह, चैन पाल प्रधान, मीडिया प्रभारी अतुल आनंद, उपाध्यक्ष जितेंद्र भाटी, सत्यवीर मुखिया, फिरे प्रधान, पी पी शर्मा, सुनील बंसल, महेश कमांडो, सचिव एडवोकेट विमलेश रावल, श्रीमती ज्योति सिंह, वीरपाल मावी, जयदीप सिंह, श्रीमती गीता सागर, यशपाल नागर, तेजकुमार भाटी उपस्थित रहे।

श्रीराम लीला का भव्य मंचन गणेश वंदना से हुआ प्रारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित भव्य रामलीला महोत्सव का प्रारंभ बुधवार, 24 सितंबर को साइट 4 में गणेश वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जलित कर मुख्य अतिथि द्वारा की गई।

संयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने बताया कि प्रथम दिन रामलीला में रावण, कुंभकरण और विभीषण की तपस्या का दृश्य प्रस्तुत किया गया। ब्रह्मा जी प्रकट होकर तीनों भाइयों को वरदान देते हैं। इसके पश्चात नारद जी गाते हुए हिमगिरी पर्वत पर तपस्या करते हैं। उनकी तपस्या देखकर इंद्र भयभीत हो जाते हैं। वहीं रावण वरदान प्राप्त कर धरती पर अत्याचार करने लगता है। ऋषि-मुनि राक्षसों के अत्याचार से दुखी होकर भगवान विष्णु को पुकारते हैं और विष्णु भगवान प्रकट होकर दर्शन देते हैं कि शीघ्र ही वे धरती पर जन्म लेंगे और कष्ट हरेंगे।

कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया कि 25 सितंबर को रामलीला में रावण-वेदमति संवाद, विष्णु-कौशल्या संवाद, श्रीराम जन्म, माता सीता जन्म, ताड़का वध और सुबाहु वध जैसी लीलाओं का मंचन होगा।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि 23 सितंबर से 3 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 7.30 बजे से रामलीला का सुंदर मंचन होगा। दर्शकों के लिए बैठने की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई है। वीआईपी एरिया में सोफे और सामान्य एरिया में चेयर की व्यवस्था की गई है। लगभग 1,00,000 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। वीआईपी सिटिंग केवल पास के माध्यम से एंट्री के लिए है। दर्शकों के लिए रामलीला में एंट्री पूरी तरह से मुफ्त है।

इस अवसर पर सरदार मंजीत सिंह, बिजेन्द्र सिंह आर्य, धर्मपाल भाटी, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, कुलदीप शर्मा, कमल सिंह आर्य, हरेंद्र भाटी, के.के. शर्मा, अमित गोयल, मुकेश शर्मा, मुकुल गोयल, चाचा हिंदुस्तानी, सुनील प्रधान, गिरीश जिंदल, अतुल जिंदल, विशाल जैन, मनोज यादव, श्यामवीर भाटी, श्रीचंद भाटी, विकास भाटी, रिंकू, दीपक, राहुल, अनुज, मोनू, टी.पी. सिंह, प्रभाकर देशमुख, प्रमोश मास्टर आदि लोग मौजूद रहे।

आयोजित हुआ जीएसटी सुधारों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का लाभ आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को ग्रेटर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्री और राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि देश की पूरी जानकारी हर नागरिक तक पहुंचे, जिससे व्यापारी वर्ग और आम उपभोक्ता दोनों का लाभ हो सके। उन्होंने बताया कि नए सुधारों से छोटे बच्चों पर कर संबंधी राहत मिली है, साथ ही किताबों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर कम किया गया है।

दादरी के विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि जीएसटी सुधार देश की अर्थव्यवस्था को सरल और स्थिर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए कार्यकर्ता बाजारों और स्थानीय मार्केट्स में जाएंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, जिला महामंत्री मनोज गर्ग, धर्मेन्द्र कोरी, जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र नागर, मनोज मावी बिरोड़ी, भाजपा के वरिष्ठ नेता अरुण शर्मा, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, अर्पित तिवारी, गुरुदेव भाटी, अमित पंडित सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

भाजपा नेता ने किया मुख्यमंत्री का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के जिला उपाध्यक्ष मुकेश प्रधान ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद आगमन पर हेलीपैड पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मुकेश प्रधान ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब से प्रदेश का कार्यभार ग्रहण किया है, तभी से प्रदेश में विकास के साथ-साथ रोजगार के भी अवसर लोगों को तेजी के साथ मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों की पूरी तरह से सफाई हो चुकी है और आज देश एवं प्रदेश के लोग खुशहाली का जीवन जी रहे हैं।

भाकियू (बलराज) का सम्मान समारोह आयोजित

नोएडा। सैक्टर-168 भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के प्रदेश सचिव प्रवीण चौहान के निवास पर कल भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का सम्मान समारोह एवं किसान गोष्ठी कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्योराज चौहान ने की, जबकि संचालन यूथ के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विपिन खारी ने किया।

किसान गोष्ठी के दौरान संगठन का विस्तार किया गया और दर्जनभर किसानों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही किसानों ने नोएडा विकास प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण से जुड़ी समस्याओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी के समक्ष रखा। किसानों ने बताया कि सर्किल अधिकारी अतिक्रमण के नाम पर उनकी आबादियों को तोड़ने पहुंच जाते हैं और पैसे देने में असमर्थ किसानों को परेशान किया जाता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ संगठन जल्द ही एक आंदोलन छेड़ेगा, जिसमें सभी किसानों को एकजुट होकर भाग लेना होगा।

संगठन की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय संयोजक रेखा सिवाल ने कहा कि नोएडा शहर बसाने के लिए किसानों की जमीनों का अधिग्रहण ओने-पौने दामों में किया गया और अब वही मकान अतिक्रमण बताकर तोड़े जा रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी ने स्पष्ट किया कि भारतीय किसान यूनियन (बलराज) किसी भी कीमत पर किसानों पर होने वाले उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं करेगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह, चंद्रपाल सिंह, युवा मोर्चा सचिन शर्मा, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, उपाध्यक्ष फरमान मसूरी, राहुल भाटी, संगठन मंत्री गौरव उनियाल, महासचिव सोनू खारी, मेरठ मंडल अध्यक्ष जतन भाटी, इरशाद, मेरठ मंडल उपाध्यक्ष अजय कुमार, किशन तोमर, अजय भाटी, रवीन्द्र नागर, नोएडा महानगर अध्यक्ष कपिल नागर, युवा जिलाध्यक्ष प्रवीण कौशिक, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला महासचिव ब्रजेश भाटी सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

शारदा विश्वविद्यालय में आंतरिक हैकाथॉन का भव्य आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग साइंस एंड इंजीनियरिंग में आंतरिक हैकाथॉन का आयोजन किया गया, जो प्रतिष्ठित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन का प्रवेश द्वार है। इस आयोजन में 400 से अधिक टीमों ने अपने नवप्रवर्तनशील विचार पेश किए। पहले दिन के मूल्यांकन के बाद 100 टीमें अगले चरण में पहुंचीं, जिनमें से 50 सर्वश्रेष्ठ टीमें पोर्टल पर अपने प्रोजेक्ट पेश करेंगी और उनका लक्ष्य स्‍ङ॥ ग्रैंड फ़िनाले में स्थान प्राप्त करना होगा।

यह कार्यक्रम रचनात्मकता और समस्या-समाधान का केंद्र बन गया, जहां युवा प्रतिभागी वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान सुझाने के लिए समय के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा ने हैकाथॉन को एक परिवर्तनकारी मंच बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम कक्षा में सीखने को वास्तविक जीवन की समस्या-समाधान से जोड़ता है। उन्होंने छात्रों को आलोचनात्मक सोचने, साहसपूर्वक नवाचार करने और राष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद ने कहा कि इस तरह के आयोजन केवल नवाचार की परीक्षा नहीं लेते, बल्कि छात्रों में जुनून और उत्कृष्टता भी जगाते हैं। स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग साइंस एंड इंजीनियरिंग की डीन डॉ गीता गणेशन ने कहा कि प्रतिभागियों और समन्वयकों का समर्पण विश्वविद्यालय के लिए उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करता है।

कार्यक्रम में डॉ सुदीप वार्ष्णेय, डॉ रजनीश कुमार सिंह, आशीष जैन, डॉ संदीप कुमार, डॉ रानी अस्त्य, डॉ शिखा वर्मा, दुर्गेश कुमार, आंचल विज, जितेंद्र सिंह, डॉ रमनीत, डॉ यज्ञेश गोदियाल, खुशवंत विरदी, आशीष कुमार, कामिनी और मेखला सहित कई मार्गदर्शक और मूल्यांकनकर्ता उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों को उनके विचारों और समस्या-समाधान के तरीकों को और निखारने के लिए प्रेरित किया।

सूचना

मैं रेयाज अहमद पुत्र मुमताज अख्तर निवासी -मकान नं0 191, अलीवर्दीपुर, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)- यह है कि मेरी पुत्री कनिज फातिमा जिसकी जन्मतिथि 01/01/2009 है, तथा माता का नाम स्येदह आयेशा परवीन है। मेरी पुत्री की कक्षा 10 वीं के अंक पत्र सं0 1022678 व स्कूल रिकार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम REYAZ AHMED व मेरी पत्नी का नाम SYEDAH AYESHA PER-AWEEN व जाति औ0बी0सी0 गलत दर्ज हो गयी है। मेरा सही नाम REYAZ AHMAD व मेरी पत्नी का सही नाम SYEDAH AYESHA PERWEEN व जाति जनरल है। मेरी पुत्री के 10वीं के अंक पत्र, स्कूल रिकार्ड व ट्रांसफर सर्टीफिकेट में मेरा नाम REYAZ AHMAD व मेरी पत्नी का सही नाम SYEDAH AYESHA PERWEEN व जाति जनरल किया जाय।

सूरजपुर की जलभराव की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देंगे सपाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी-सूरजपुर मुख्य मार्ग सहित सूरजपुर में हो रहे भारी जलभराव और मुख्य मार्ग की खस्ता हालत को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता गुरुवार को मुख्यमंत्री दौरे के दौरान उन्हें ज्ञापन सौंपेंगे।

यह जानकारी देते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने बताया कि बारिश बंद होने के कई दिन बीत जाने के बाद भी सूरजपुर के मुख्य मार्गों पर भारी जल भराव है, पूरा कस्बा जलमग्न है। जिला अधिकारी कार्यालय से लगे हुए 50 हजार से अधिक आबादी वाले इस कस्बे का बुरा हाल है, जगह-जगह गंदगी के अंबार लगे हुए हैं जिससे गंभीर बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के साथ विकास के मामले में सौतेला व्यहार किये जाने के यह सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा शहर स्थित एक को मार्ट में देश का सबसे बड़ा ट्रेड शो का उद्घाटन कर ग्रेटर नोएडा को विकास मॉडल की तरह पेश कर रहे हैं जबकि ग्रेटर नोएडा शहर के विकास की हकीकत कुछ और ही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस समस्या से अवगत कराने के लिए गुरुवार को उनके ग्रेटर नोएडा दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता एक ज्ञापन उन्हें सौंपेगे।

पृष्ठ एक के शेष....

यूपी में निवेश व...

उत्तर प्रदेश के मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी, राकेश सचान, बृजेश सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार के तमाम बड़े अधिकारी, नोएडा के सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र नागर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, दादरी के विधायक तेजपाल सिंह नागर तथा जेवर विधानसभा क्षेत्र के विधायक धीरेन्द्र सिंह के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के अनेक नेता मौजूद रहे। ग्रेटर नोएडा के एक्सपोमार्ट में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घूम घूम कर पूरे मेले का निरिक्षण किया तथा ट्रेड शो में पहुंचे उद्यमियों से बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन से पहले न्यू इंडिया तथा न्यू यूपी के थीम पर आधारित एक फिल्म भी (UPITS -2025) में आए हुए मेहमानों को दिखाई गई।

ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े मेले का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़ा संदेश दिया है। ग्रेटर नोएडा में लगाए गए उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े मेले का उद्घाटन करने के बाद उत्तर प्रदेश की धरती से यह संदेश दिया है। अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी ने भारत को अंतोदय की शिक्षा देकर सामाजिक समरसता के साथ विकास की शिक्षा दी थी। आज भारत अन्तोदय की नीति पर चलकर दुनिया में अपनी बड़ी पहचान बना रहा है। UPITS-2025 का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि आज भारत जैम पोर्टल जैसे प्लेटफार्मों का प्रयोग करके अपनी अर्थव्यवस्था को तेजी के साथ आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि जैम पोर्टल के द्वारा भारत के नागरिकों ने 7 लाख करोड़ रूपए मूल्य का माल खरीदने का रिकार्ड कायम किया है।

जीएसटी के मुद्दे...

करते हुए कहा कि 2014 से पहले कोई किसान टैक्ट्रर खरीदता था तो उसे 70 हजार रूपए टैक्स देना पड़ता था। जीएसटी रिफार्म के बाद ट्रैक्टर खरीदने पर टैक्स 30 हजार रूपए हो गया है। प्रधानमंत्री ने एक हजार रूपए की शर्ट खरीदने से लेकर थ्री-व्हीलर खरीदने तक पर लगने वाले टैक्स का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले एक हजार मूल्य की शर्ट खरीदने पर 117 रूपए टैक्स लगता था।

प्रधानमंत्री ने खुलकर...

प्रदेश बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया भर के व्यापारियों तथा उद्योगपतियों से अपील की कि आप सब उत्तर प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश करें। अधिक निवेश से उत्पादन करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश तथा देश की सरकार आपके साथ खड़ी है।

बस से युवक का...

फोन गायब होने की जानकारी मिलने पर शिवांश ने उसके काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है की पूरी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दंपत्ति ने युवती...

इलाज के लिए लाया गया गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे कासना स्थित जिम्स अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिम्स अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी बेटी ने रास्ते में दम तोड़ दिया। प्रेमलाल का आरोप है कि राजकुमार यादव और उसकी पत्नी प्रीति देवी की प्रताड़ना से परेशान होकर उसकी बेटी ने आत्महत्या की है पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर पति-पत्नी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है।

'तू पापिन है और तुझे तो...

लड़का नहीं होगा। दो बेटियां होने के बाद बेटे की चाह में मां-बेटे ने दो बार गर्भावस्था के दौरान रितु का लिंग परीक्षण कराया। परीक्षण में लड़की होने का पता चलने पर उसका गर्भपात करा दिया गया। अंकित तोमर के मुताबिक सोनू मलिक रितु से रोज मारपीट करता था रितु जब इस बात का विरोध करती थी तो उसके साथ शकुंतला भी अपने बेटे को उकसाकर उसके साथ मारपीट करवाती थी। इस बात की जानकारी मिलने पर वह अपनी बहन को अपने घर ले आए। एक वर्ष तक मायके में रहने के बाद समाज के लोगों ने पंचायत कराई जिसके बाद उसकी बहन सोनू मलिक के साथ सूरजपुर में रहने के लिए चली आई। कुछ दिनों तक ठीक-ठाक रहा इसके बाद मां बेटे ने फिर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। 23 सितंबर की शाम को उसकी बहन ने घर पर फोन कर बताया कि उसके साथ मारपीट की जा रही है इसके बाद फोन कट गया। किसी अनहोनी की आशंका पर वह लखनावली सूरजपुर स्थित सोनू मलिक के घर पहुंचे जहां पता चला कि रितु कैलाश अस्पताल ग्रेटर नोएडा में भर्ती है। इस बारे में जब डॉक्टर से बात की गई तो पता चला की रितु की मौत हो गई है। अंकित तोमर ने आरोप लगाया कि उसकी बहन रितु को बेटा ना होने पर उसकी सास शकुंतला व पति सोनू मलिक मारते-पीटते थे। इसी कारण उन्होंने उसकी बहन को मारपीट कर मौत के घाट उतार दिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है

प्रिंटिंग की...

को कंपनी का इलेक्ट्रीशियन प्रमोद सिंह कंपनी के गोदाम में पहुंचा। यहां एक अज्ञात लड़का खड़ा हुआ था। प्रमोद सिंह ने कमरे का गेट बाहर से बंद कर दिया और सिक्योरिटी गार्ड को बुलाने के लिए गेट पर आ गया कुछ देर बाद जब वह सिक्योरिटी गार्ड के साथ उक्त कमरे में पहुंचा तो लड़का गायब था। उन्होंने जांच की तो पता चला कि उक्त लड़का कमरे की दीवार में ऊपर की ओर लगे टीन शेड के बीच से एक रास्ते से बाहर निकल गया है। यह रास्ता कमरे के बाहर बने बाथरूम की छत पर निकल रहा था। प्रमोद सिंह व सिक्योरिटी गार्ड बाथरूम की छत पर पहुंचे तो वहां उन्हें इलेक्ट्रिक केबल के प्लास्टिक के टुकड़े छिले हुए मिले जिनके अंदर का कॉपर का तार गायब था। मामचंद ने कंपनी से तार चोरी करने के आरोप में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

कैब चालक ने की ....

उन्होंने ट्रैफिक की वजह से कैब को अंडरपास में ना ले जाने को कहा। इस पर ड्राइवर बृजेश ने बहस करने शुरू कर दी। उन्होंने जब इस बात का विरोध किया तो कैब चालक गाली-गलौज करने लग गया। इसके बाद उन्होंने कैब को साइड में रुकवा लिया और यात्रा करने से मना कर दिया। ड्राइवर ने उनसे पैसे मांगे तो उन्होंने देने से इनकार कर दिया। इसके बाद ड्राइवर बृजेश ने गाड़ी से उतरकर डिक्की से सफेद रॉड निकाली और जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान उसकी सहेली जैस्मिन ने इस पूरे वाक्य को अपने केमरे में रिकॉर्ड कर लिया। जैस्मिन को रिकॉर्डिंग करता देखकर बृजेश डंडा लेकर उसे मारने के लिए दौड़ा और गाली गलौज करने लगा। ड्राइवर का व्यवहार देखकर चारो सहेलियां भयभीत हो गई। इस दौरान सड़क पर भी किसी ने उनकी मदद नहीं की। उन्होंने पुलिस को कॉल की पुलिसकर्मियों ने उन्हें थाने जाने की सलाह दी। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर कैब चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

फायर फाइटिंग व...

पर हस्ताक्षर किए। अस्पताल में फायर फाइटिंग व प्लंबिंग का कार्य 24159118 रुपए में तय हुआ। वर्क आर्डर के मुताबिक एडवांस जारी करने की तिथि के चार माह के भीतर कंपनी द्वारा कंप्लीशन दिया जाना था। करीब 10 माह का समय बीतने के बाद भी जब अस्पताल में प्लंबिंग और फायर फाइटिंग का कार्य पूरा नहीं हुआ तो अलीना से संपर्क किया गया दोनों ही जल्द काम पूरा करने का आश्वासन देते रहे 13 दिसंबर 2022 को अलीना व हसन गौर सिटी-2 स्थित सर्वोदय अस्पताल की साइट पर आए। इस दौरान अस्पताल के डायरेक्टर अमित कुमार अग्रवाल, अंकुश गुप्ता, हेमंत पाठक, मुकुल मनी आदि लोग मौजूद थे।

कंपनी के डायरेक्टर अमित कुमार अग्रवाल ने अलीना व हसन से कहा कि वर्क आर्डर के अनुसार उनका एडवांस जारी होने की तिथि से 4 माह के भीतर कंपटीशन देना था लेकिन 10 माह का समय बीत चुका है उनके द्वारा अस्पताल का कार्य पूरा नहीं किया गया है तथा जो कार्य किया गया है उसमें भी काफी सारी कमियां हैं। डायरेक्टर अमित कुमार अग्रवाल ने उन्हें बताया कि उनकी कंपनी को 13853370 का भुगतान किया जा चुका है। जबकि अस्पताल में 10777960 रुपए का ही काम हुआ है। उन्होंने अस्पताल से 3075410 रुपए का अधिक भुगतान ले लिया है। इस पर अलीना वं हसन नाराज हो गए और उन्होंने साइट पर काम करने से इनकार कर दिया। साथ ही धमकी दी कि अगर उन्हें एक करोड़ 25 लख रुपए का भुगतान नहीं किया गया तो वह उन्हें झूठे मुकदमे में जेल भिजवा देंगे।

डायरेक्टर अमित कुमार अग्रवाल ने जब पैसे देने से मना किया तो अलीना व हसन ने उनके साथ गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। मानव अरोड़ा के मुताबिक अलीना व हसन आपराधिक षडयंत्र रचकर उनकी कंपनी से धोखाधड़ी व जालसाजी करके 3075410 रुपए हड़प चुके हैं और इन्हें वापस नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में थाना बिसरख में आरोपियों के खिलाफ शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। न्यायालय ने सुनवाई के बाद थाना बिसरख पुलिस को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं।

टी20 रैंकिंग में भारत का दबदबा, पांड्या-चक्रवर्ती और अभिषेक टॉप पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाड़ियों की प्रगति

पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान ने छह स्थान के फायदे के साथ शीर्ष 10 में वापसी की है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप के अपने पिछले दो मैच में आठ के औसत से छह विकेट चटकाए हैं।

पांड्या का ऑलराउंड प्रदर्शन

ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पंड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं।

अभिषेक की धमाकेदार बल्लेबाजी

बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली। पाकिस्तान के खिलाफ 19 गेंद में नाबाद 30 रन की पारी खेलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने वाले तिलक वर्मा को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है।

सूर्यकुमार, फरहान और तलत का उभार

कप्तान सूर्यकुमार यादव भी एक स्थान के फायदे से शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ 45 गेंद में 58 रन की पारी खेलने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के फायदे से 24वें पायदान पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ धैर्यपूर्ण पारी खेलकर पाकिस्तान को जीत दिलाने वाले हुसैन तलत 1474 अंक की लंबी छलांग लगाकर पुरुष टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 234वें स्थान पर हैं।

सैफ हसन की शानदार पारी

बांग्लादेश के सैफ हसन भी सुपर चार चरण के मैच में 61 रन की पारी खेलने के बाद 133 रन के फायदे से 81वें पायदान पर हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा के सिर में लगी चोट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत ए के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को आज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे मैच के दौरान सिर में चोट लग गई, जिसके बाद बाकी बचे मैचों के लिए यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। यह घटना मैच के दूसरे दिन हुई जिससे वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत ए की पारी के 39वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज़ हेनरी थॉर्नटन की गेंद कृष्णा के हेलमेट पर लगी, जब वे बाउंसर को पुल करने की कोशिश कर रहे थे।

चोट लगने के बाद कृष्णा का अनिवार्य कन्कशन असेसमेंट हुआ और उन्होंने शुरुआत में अपनी पारी जारी रखी। हालांकि, 42वें ओवर के बाद वे ड्रेसिंग रूम वापस चले गए और उनकी जगह मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए। भारत ए की पारी आगे बढ़ने पर सिराज के आउट होने के बाद गुरनूर बरार 11वें नंबर पर आए। जब साई सुदर्शन आउट हुए तो यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों के तहत अंतिम एकादश में कृष्णा की जगह आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया। भारत ए पहली पारी में 194 रन पर आउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ए के 420 रनों के विशाल स्कोर से पीछे रह गई। दूसरे दिन स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 16 रन बनाए थे और मैच में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। कृष्णा की चोट की गंभीरता की अभी पुष्टि नहीं हुई है। भारत के चयनकर्ता 2 अक्टूबर से शुरू हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम को अंतिम रूप देने के लिए आज बैठक करने वाले हैं। कृष्णा जसप्रीत बुमराह, सिराज और आकाश दीप के साथ तेज गेंदबाजी विभाग के दावेदारों में शामिल हैं। इन गेंदबाजों ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के पांच टेस्ट मैचों के दौरे के दौरान भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का आधार बनाया था, जहां कृष्णा ने तीन मैचों में 37.07 की औसत से 14 विकेट लिए थे। वर्तमान भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए श्रृंखला अगस्त के पहले सप्ताह में इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद से कृष्णा का पहला प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन है। पहले मैच में उन्होंने 21 ओवर में 90 रन देकर एक भी विकेट नहीं लिया था और दूसरे मैच की पहली पारी में उन्होंने 17 ओवर में 76 रन देकर 1 विकेट लिया था।

अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को आईसीसी टी20 रैंकिंग में 23 अंकों का लाभ हुआ है। एशिया कप 2025 में ओमान के खिलाफ 38 और पाकिस्तान के खिलाफ 74 रनों की पारी खेलने के बाद उनकी रेटिंग 907 पहुंच गई है। इसी के साथ ही अभिषेक 900 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। सबसे अधिक रेटिंग अंक इंग्लैंड के डेविड मलान के नाम 919 हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव हैं उनके 912 जबकि विराट कोहली के 909 रेटिंग अंक हैं। इसके बाद 907 रेटिंग अंक के साथ ही अभिषेक चौथे स्थान पर हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती जबकि ऑलराउंडरों में हार्दिक पांड्या शीर्ष पर बरकार हैं। भारतीय बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा के अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव को 1-1 स्थान का फायदा हुआ है। तिलक तीसरे जबकि सूर्यकुमार छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के लाभ के साथ ही 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाक के ही हुसैन तलत को श्रीलंका के खिलाफ अच्छी पारी खेलने के कारण लाभ मिला है। वह 1474 पायदान की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त 234वें स्थान पर पहुंच गए हैं।पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ने गेंदबाजों की रैंकिंग में 12 पायदानों की लंबी छलांग लगाकर सीधा चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 747 की रेटिंग के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं। इनके अलावा श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा एक पायदान ऊपर 6ठे जबकि बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान 6 पायदान की छलांग लगाकर 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड, शानदार 70 रनों की पारी में लगाए 6 छक्के

स्पोर्ट्स डेस्क(एजेंसी)। भारत के 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 मैच में दर्शकों को मैदान पर खींच ला रहे हैं। आईपीएल 2025 के बाद सूर्यवंशी ने 24 सितंबर को ब्रिस्बेन के इयान हीली ओवल में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे यूथ वनडे में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। ऐसा करते हुए उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट वन-डे में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पिछला रिकॉर्ड भारत के अंडर-19 विश्व कप 2012 विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन क्रमशः 30 और 22 छक्कों के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वहीं इस बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी के अब 10 मैचों में 41 छक्के हो गए हैं। वह एकदिवसीय क्रिकेट में लगभग 13 गेंदों पर एक छक्का लगाते हैं।

मैच में सूर्यवंशी ने धीमी शुरुआत के बाद तेज गति पकड़ी। पिछले मैच में 33 रनों की छोटी पारी खेलने के बाद सूर्यवंशी की शुरुआत धीमी रही क्योंकि उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान आयुष म्हात्रे दो गेंदों पर शून्य पर आउट हो गए। सूर्यवंशी ने चौथे ओवर में अपना पहला चौका लगाया। एक समय वह 29 गेंदों पर 10 रन बनाकर खेल रहे थे।

नौवें ओवर में जॉन जेम्स को मैदान पर उतारा गया और सूर्यवंशी ने उन्हें बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर छक्का जड़ा। 12वें ओवर में सूर्यवंशी ने हेडन शिलर की गेंद पर दो छक्के लगाए। उन्होंने 54 गेंदों में एक छक्के के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया। 19वें ओवर में सूर्यवंशी यश देशमुख की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 68 गेंदों में 70 रन की पारी में 6 छक्कों के अलावा पांच चौके भी लगाए। उनके आउट होने के समय भारत अंडर-19 का स्कोर 117/2 था।

सैमसन की जगह राहुल होता तो मैच पांच ओवर पहले ही खत्म हो जाता : अख्तर

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है भारतीय टीम में अगर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन नहीं होते तो पाक टीम सुपर फोर मुकाबले में और भी जल्दी हार जाती।अख्तर ने एक शो में कहा, अगर इस टीम में केएल राहुल होते तो हमारी और खराब हार होती। उन्होंने कहा कि सैमसन की जगह केएल राहुल को होना था।अगर वह होता तो एक से बढ़कर एक शॉट लगाता। अगर राहुल होता तो ये मैच पांच ओवर पहले ही समाप्त हो जाता। एशिया कप के सुपर 4 मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया था। पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाए थे। वहीं भारतीय टीम ने एक ओवर पहले ही चार विकेट के नुकसान पर ये लक्ष्य हासिल कर लिया था। भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने 39 गेंद में 74 और शुभमन गिल ने 28 गेंद में 47 रन बनाये जबकि तिलक वर्मा ने 19 गेंदों में 30 रन बनाये। वहीं संजू सैमसन 17 गेंदों में केवल 13 रन ही बना पाये थे। वहीं इससे पहले ग्रुप स्तर के मुकाबले में भी भारतीय टीम ने पाक को एकतरफा मुकाबले में 7 विकेट से हराया था।

कार्तिक हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, अश्विन भी खेलेंगे

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक को नवंबर में होने वाले हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है। इस टूर्नोमेंट में पूर्व स्पिनर आर अश्विन भी खेलते हुए दिखेंगे। यह टूर्नामेंट सात नवंबर से शुरु होगा। कार्तिक ने कहा, ''हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। इसमें मुझे कई अच्छे खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिलेगा, इसलिए में इसमें खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इसमें हमारा लक्ष्य निडर होकर खेलना रहेगा।'' वहीं हाल में आईपीएल को अलविदा कहने वाले अश्विन भी इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। संन्यास के बाद ही उन्होंने विदेशी लीग में संभावनाएं तलाशने की बात कह दी थी। ऐसे में हांगकांग सिक्सेज में खेलने को लेकर अश्विन भी काफी उत्साहत हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि यह बेहद रोमांचक साबित होगा, जिसमें वह अपने पूर्व साथियों के साथ खेलने को लेकर उत्सुक हैं। अश्विन और कार्तिक के खेलने को लेकर क्रिकेट हांगकांग चाइना के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ भी उत्साहित हैं। श्रॉफ ने कहा, '' कार्तिक को हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिये टीम इंडिया का कप्तान बनाकर हमें खुशी हो रही है। उनकी कप्तानी और अपार अनुभव टीम के काफी काम आयेगा और हमें भरोसा है कि उनकी मौजूदगी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।''

हार से निराश श्रीलंकाई कप्तान बोले, लगातार दो विकेट गिरने से मैच हमारे हाथ से फिसला

अबू धाबी (एजेंसी)। एशिया कप के दूसरे सुपर फोर मैच में पाकिस्तान से मिली हार के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान चरिथ असलांका ने निराशा जतायी है। इस हार से श्रीलंकाई टीम फाइनल की रेस से तकरीबन बाहर हो गयी है। इस मैच में उसे पाक के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पहले सुपर फोर में उसे बांग्लादेश ने हराया था। असलांका ने माना है कि बल्लेबाजी के दौरान आठवें ओवर में दो बल्लेबाजों के आउट होने से मुकाबला उनकी टीम के हाथ से निकल गया था। असलांका स्वयं उस ओवर में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वहीं उनके बाद अगली गेंद पर ही दासुन शनाका भी पेवेलियन लौट गये। इससे श्रीलंकाई टीम श्रीलंका 133 रन ही बना पायी।

असलांका ने कहा, हमारे सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत नहीं दिला पाये। पावरप्ले के अंत तक हमारे पास केवल 53 रन थे। हमने तीन विकेट गंवा दिए थे पर हम तब भी अच्छी स्थिति में थे, क्योंकि पावरप्ले में इतने रन बनाना आसान नहीं होता पर मैं और दासुन लगातार गेंदों पर आउट हो गए और यही वह समय था जब सबसे अधिक नुकसान हुआ।

उन्होंने आगे कहा, जब हम आउट हुए, तब न तो दासुन और न ही मैं बड़े शॉट लगाने के प्रयास कर रहे थे। । हालांकि टीम की खराब बल्लेबाजी के लिए हम इस प्रकार का बहाना नहीं बना सकते। हमें जिम्मेदारी लेनी ही होगी। इस मैच में कामिंदु मेंडिस ने 44 गेंदों पर 50 रन बनाकर टीम को कुछ सम्मानजनक बनाया।

उन्होंने आगे कहा, हमने अपनी पारी के पहले भाग में पांच विकेट गंवा दिए थे, और ऐसे में वापसी करना काफी कठिन होता है। कामिंदु और अन्य खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रयासा किया पर वानिन्दु के आउट होने से टीम का और अधिक रन बनाने का सपना टूट गया।

कप्तान ने कहा, हमने अब तक एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरकर देखा है पर तब हमें एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की कमी खली जिससे टीम रनों के मामले में पीछे रह गयी। कई बार हमने एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ खेला है पर तब हम कम गेंदबाज होने से कोर का बचाव नहीं कर पाए। ऐसे में अब हमें सीखना होगा कि र पार्ट-टाइम गेंदबाजों का बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। इसमें हमें सुधार करने की जरूरत है।पाक के खिलाफ मुकाबले में श्रीलंका ने इस मुकाबले के लिए अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने और कामिल मिशारा को बाहर करके करुणारत्ने को उतारा था।

इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फेया डेविस अब वकालत करती दिखेंगी

लंदन ।इंग्लैड की महिला क्रिकेटर फेया डेविस अब वकालत करेंगी।फेया ने 29 साल की उम्र में ही क्रिकेट को अलविदा कह दिया है।ऐसे में अब उनका पेशा बदल रहा है।वह पेशेवर क्रिकेटर की जगह पर वकील बन गयी हैं।फेया ने ये फैसला इसलिए किया है, क्योंकि अब वह वकालत की दुनिया में नाम कमाना चाहती हैं। वह ट्रेनी सॉलिसिटर के रूप में नय करियर शुरू कर रही हैं।इस खिलाड़ी ने अपना अंतिम मुकाबला हैंपशायर की टी की ओर से लंकाशायर के खिलाफ एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल खेला था। उस मैच में फेया नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 41 रन बनाये थे। इसके अलावा 9.3 ओवर में 38 रन देकर फेया ने एक विकेट भी लिया था हालांकि वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पायीं। फेया ने ससेक्स के लिए डेब्यू किया था। फेया ने इंग्लैंड के लिए टी20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय भी खेले हैं पर वह टेस्ट प्रारुप में जगह नहीं बना पायीं फेया को 35 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है। करीब 15 साल तक उन्होंने क्रिकेट खेला, लेकिन अब वह अदालत में बहस करती हुई दिखेंगी। साल 2019 के बाद से 2023 तक 9 एकदिवसीय और 26 टी20 मैच खेलने वालीं फेया डेविस ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 विकेट लिए थे।

कमाई कम होने और अवसर नहीं मिलने से डिकॉक ने बदला फैसला

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर क्विंटन डिकॉक के एकदिवसीय क्रिकेट में संन्यास से वापसी का राज सामने आया है। इसके दो कारण सामने आये हैं। एक कारण संन्यास के बाद उम्मीद से कम कमाई होना और दूसरा टी20 में खेलने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलना है। डिकॉक ने दो साल पहले खेल से संन्यास ले लिया था तब उनकी नजरें विदेशी लीग में मोटी कमाई पर थीं पर उन्हें अधिक लाभ नहीं मिला। इसी कारण उन्हें वापसी करनी पड़ी है। डिकॉक ने साल 2021 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद से ही वह एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सक्रिय थे पर 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद उन्होंने एकदिवसीय प्रारूप को भी अलविदा कह दिया था। वह दुनिया की अलग-अलग टी20 लीग्स में खेलना चाहते थे और दक्षिण अफ्रीका के लिए सिर्फ टी20 क्रिकेट खेलने वाले थे पर एकदिवसीय से संन्यास के बाद उन्हें टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। उन्होंने अपना अंतिम टी20 मैच दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 विश्व कप 2024 में खेला था। डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका की टीम में अधिक अवसर मौके नहीं मिल पा रहे थे। एक साल से ज्यादा समय से वे टी20 टीम से भी बाहर थे। डिकॉक के टीम में लौटने का दूसरा कारण ये भी है कि उनको रिटायरमेंट के बाद टी20 लीग में उतना पैसा नहीं मिल रहा, जितना उनको तब मिलता था जब वे देश के लिए खेलते थे।

इंडियन फुटबॉल के लिए बुरी खबर, 2026 एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएगी पुरुष टीम

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए बुरी खबर है।दरअसल, साल 2018 में एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद भारतीय फुरुष फुटबॉल टीम का अगले साल होने वाले एशियन गेम्स में हिस्सा लेना एक बार फिर असंभव लग रहा है। बता दें कि, भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए फिर सरकार की दया पर निर्भर होगी। वहीं जापान के आइची-नागोया में 20वें एशियाई खेल होने हैं। इस बहुत-खेल प्रतियोगिता का 19 सितंबर से 4 अक्टूब 2026 तक होना है। टोक्यो में 1958 और हिरोशिमा में 1994 के बाद नागोया एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाला तीसरा जापानी शहर होगा। खेल मंत्रालय ने बुधवार 24 सितंबर 2025 को आइची-नागोया एशियाड के लिए व्यक्तिगत एथलीटों और टीमों की पात्रता के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए। ताजा स्थिति के अनुसार, एशिया में 24वें स्थान पर काबिज फुटबॉल टीम उन सख्त मानदंडों को पूरा नहीं करती है जिनके अनुसार केवल पदक जीतने की क्षमता रखने वाली टीमों और एथलीटों को ही इस महाआयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाएगा। बता दें कि, खेल मंत्रालय की तरफ से जारी परिपत्र में कहा गया है कि फुटबॉल और हॉकी जैसे टीम खेलों और रिले, युगल और मिश्रित युगल जैसी टीम स्पर्धाओं के लिए मानक एशियाई चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में स्थान या महाद्वी में टॉप 8 रैंकिंग होगी।

'शाहीन अफरीदी जान दे देगा': संभावित भारत बनाम पाक एशिया कप फाइनल पर बोले पाकिस्तानी तेज गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने मंगलवार को अबू धाबी में श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर के करो या मरो वाले मुकाबले में अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने इस करो या मरो वाले मुकाबले में तीन अहम विकेट चटकाए जिससे पाकिस्तान की एशिया कप 2025 की उम्मीदें जिंदा रहीं। मैच के बाद एक रिपोर्टर ने शाहीन से पूछा कि जब भी पाकिस्तान और भारत के बीच मुकाबला होता है, तो उन्हें कितनी कड़ी निगरानी का सामना करना पड़ता है।

पत्रकार ने पूछा, 'मेरा सवाल यह है कि जब भी पाकिस्तान-भारत मैच होता है, तो हर कोई शाहीन अफरीदी पर नजर रखता है। लेकिन पिछले 4-5 मैचों में शाहीन अफरीदी ने ऐसा प्रदर्शन नहीं किया है। तो, अगर अगले मैच में पाकिस्तान-भारत फाइनल होता है, तो क्या हम शाहीन अफरीदी का खराब फॉर्म फिर से देख सकते हैं?'। अफरीदी ने एक शरारती मुस्कान के साथ जवाब दिया, 'क्या आप मुझे ड्रॉप करने की कोशिश कर रहे हैं? (हंसते हुए)। अगर शाहीन अफरीदी पाकिस्तान से खेलेगा, तो अपनी जान भी दे देगा।'

एशिया कप में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के आक्रामक व्यवहार की कई घटनाएं भी देखने को मिलीं - प्रशंसकों और विरोधियों, दोनों के प्रति और अफरीदी से पूछा गया कि क्या यह आक्रामकता हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान जैसे खिलाड़ियों की पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा थी। रऊफ जहां भारतीय प्रशंसकों का मजाक उड़ाते नजर आए, वहीं रविवार को सुपर फोर मुकाबले के दौरान फरहान के गोलीबारी वाले जश्न की भी आलोचना हुई।

अफरीदी ने कहा, 'आक्रामक होने की कोई खास योजना नहीं है, हम खेलना शुरू करने के बाद से ही आक्रामक रहे हैं। क्रिकेट इसी तरह खेला जाता है और टीम का मनोबल ऊंचा रखा जाता है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम ने संभावित भारत-पाकिस्तान फाइनल पर चर्चा की है, तो अफरीदी ने इस चर्चा को कमतर आंकते हुए कहा। उन्होंने कहा, 'हम अभी फाइनल में नहीं हैं, जब पहुंचेंगे, तब इस बारे में सोचेंगे।'

नवरात्रि पूजा का केंद्र हैं हैदराबाद के ये मंदिर

बिरला मंदिर

श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर, सिकंदराबाद

हैदराबाद जहां एक ओर ऐतिहासिक चारमीनार और रामोजी फिल्म सिटी की चकाचौंध है, वहीं दूसरी ओर यह शहर एक गहरी आध्यात्मिक शांति का भी केंद्र है। और नवरात्रि का पर्व आते ही यह शांति एक उल्लास और उत्सव में बदल जाती है। शहर के मंदिरों में एक अद्भुत ऊर्जा और रौनक छा जाती है, जो भक्तों और पर्यटकों को समान रूप से आकर्षित करती है। अगर आप इस नवरात्रि में हैदराबाद में हैं, तो इन मंदिरों के दर्शन करना न भूलें।

बिरला मंदिर: नवरात्रि में बिरला मंदिर की छटा निराली हो जाती है। नायपल्ली पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर जो सफेद संगमरमर से बना है। नवरात्रि के दिनों में रोशनी से जगमगा उठता है। पूरे मंदिर परिसर को हज़ारों दीयों और रंगीन बल्बों से सजाया जाता है। रात के समय यह नज़ारा अत्यंत मनोरम लगता है। मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु और भगवान शिव की मूर्तियों का विशेष श्रृंगार किया जाता है। यह पारिवारिक दर्शन के लिए एकदम सही जगह है।

श्री पेद्दम्मा मंदिर मेहदीपट्नम

श्री जगदम्बा मंदिर, हैदराबाद का सबसे प्राचीन शक्तिपीठः चारमीनार के निकट स्थित यह मंदिर हैदराबाद के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। नवरात्रि के दौरान यहां का माहौल देखने लायक होता है। नौ दिनों तक चलने वाले विशेष पूजा-अनुष्ठान और हवन होते हैं। मां जगदम्बा की मूर्ति को फूलों और आभूषणों से सजाया जाता है। यहां की खास बात है बोनालु उत्सव की झलक, जो तेलंगाना की एक अनूठी परंपरा है।

श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर, सिकंदराबादः सिकंदराबाद में स्थित यह मंदिर मां काली को समर्पित है। इसे हैदराबाद-सिकंदराबाद का सबसे प्रमुख शक्ति मंदिर माना जाता है। नवरात्रि में यहां विशाल मेले जैसा माहौल होता है। मंदिर को फूलों और लाइट्स से अत्यंत आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। अष्टमी और नवमी के दिन यहां विशेष पूजा होती है और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

श्री पेद्दम्मा मंदिर, मेहदीपट्नमः मेहदीपट्नम में स्थित यह मंदिर तेलंगाना क्षेत्र की कुलदेवी, मां पेद्दम्मा को समर्पित है। यह मंदिर न केवल आस्था बल्कि स्थानीय संस्कृति का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। नवरात्रि में यहां नौ दिनों तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। जिसमें शास्त्रीय संगीत, नृत्य और भजन संध्या शामिल हैं। मंदिर परिसर में हजारों भक्तों के लिए विशेष प्रसाद का वितरण किया जाता है।

श्री चिलकुर बालाजी मंदिरः हैदराबाद से कुछ किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है। इसे हैदराबाद का तिरुपतिर कहा जाता है। नवरात्रि के दिनों में यहां विशेष धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। मंदिर की प्राकृतिक सेटिंग और हरियाली के बीच दर्शन करने का अनुभव अदभूत है।

श्री चिलकुर बालाजी मंदिर

मां कूष्मांडा की आराधना से रोगमुक्त होंगे

भौतिक और आध्यात्मिक सुख भी होगा प्राप्त

याज्ञवल्क्य स्मृति के मुताबिक कूष्मांडा देवी गौर वर्ण की हैं। यानी इनका रंग चांदी की तरह चमकीला है। माता पार्वती यानी गौरी का ही एक रूप होने से देवी कूष्मांडा का ऐसा स्वरूप है।

नवरात्रि के चौथे दिन माता कूष्मांडा स्वरूप को समर्पित है। 'कू' का अर्थ है छोटा, 'ष' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला- सृष्टि या ऊर्जा का छोटा सा वृहद ब्रह्मांडीय गोला। माना जाता है कि सृष्टि की उत्पत्ति से पूर्व जब चारों ओर अंधकार था तो मां दुर्गा ने इस अंड यानी ब्रह्मांड की रचना की थी। आठ भुजाओं वाली कूष्मांडा देवी अष्टभुजा देवी के नाम से भी जानी जाती हैं।

स्वरूप मां कूष्मांडा का वाहन सिंह है। इनके हाथों में कमंडल, धनुष, बाण, कमलपुष्प, अमृत-पूर्ण कलश, चक्र तथा गदा रहते हैं। महत्त्व मां कूष्मांडा के पूजन से हमारे शरीर का अनाहत चक्र जाग्रत होता है। इनकी उपासना से हमारे समस्त रोग और शोक दूर हो जाते हैं। साथ ही भक्तों को आयु, यश, बल और आरोग्य के साथ-साथ सभी भौतिक और आध्यात्मिक सुख भी प्राप्त होते हैं। नवरात्रि के चौथे दिन श्रद्धालु ब्रह्मांड की रचना करने वाली कूष्मांडा मां की आराधना करते हैं। माता कूष्मांडा के रचे इस ब्रह्मांड को बचा रही हैं, कर्नाटक के रामनगर जिले के मगदी तालुका की थिमक्का जैसी सांसारिक देवी। अब 107 बरस की हो चुकीं थिमक्का 8 हजार से ज्यादा पेड़ों की मां हैं। इनमें 400 से ज्यादा बरगद के वृक्ष हैं। यही वजह है कि उन्हें 'वृक्ष माता' की उपाधि मिली है।

विवाह के काफी समय बाद थिमक्का को पता चला कि वे कभी मां नहीं बन सकतीं। परेशान होकर वे आत्महत्या के बारे में सोचने लगीं तो पति की सलाह पर उन्होंने बरगद का एक पौधा लगाया। उसकी बच्चे की तरह देखभाल की। समय से पानी दिया और मवेशियों से भी बचाया।

थिमक्का के जीवन में मां न पाने का खालीपन बरगद के इस पेड़ ने भरना शुरू कर दिया। इसके बाद तो उन्होंने एक के बाद एक पेड़ लगाने शुरू कर दिए। धीरे-धीरे उनका जुनून बढ़ने लगा। अब तक वह 8 हजार से ज्यादा पौधों को पालकर उन्हें पेड़ बना चुकी हैं। लोग उन्हें अब सालुमारदा थिमक्का के नाम से पुकारते हैं। दरअसल, 'सालुमारदा' कन्नड़ भाषा का एक शब्द है, जिसका अर्थ है 'वृक्षों की पंक्ति'।

यूपी के 5 शक्तिपीठ, जहां सती के गिरे थे केश और चूड़ामणि सहित ये 5 अंग

श्रीउमा शक्तिपीठ

वृंदावन में भूतेश्वर महादेव मंदिर के समीप स्थित यह शक्तिपीठ 'उमा देवी मंदिर' के नाम से प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां माता सती के केश और चूड़ामणि गिरे थे। यह स्थान श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां वर्षभर भक्त दर्शन के लिए आते हैं।

रामगिरि शक्तिपीठ

चित्रकूट के रामगिरि स्थान पर स्थित इस शक्तिपीठ का पौराणिक महत्व है। मान्यता है कि यहां सती का दायां वक्ष गिरा था। यहां माता को शिवानी नाम से पूजा जाता है। नवरात्रि में इस मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो जाता है।

विशालाक्षी शक्तिपीठ

वाराणसी स्थित मणिकर्णिका घाट के पास स्थित विशालाक्षी शक्तिपीठ को 51 शक्तिपीठों में विशेष स्थान प्राप्त है। यहां माता सती की मणिकर्णिका गिरी थी और वे विशालाक्षी एवं मणिकर्णी रूप में प्रसिद्ध हुईं। वाराणसी का धार्मिक महत्व इस शक्तिपीठ से और भी बढ़ जाता है।

पंचसागर शक्तिपीठ

इस शक्तिपीठ का वास्तविक स्थान स्पष्ट रूप से ज्ञात नहीं है, किंतु मान्यता है कि यहां माता की निचली दाढ़ गिरी थी। इस कारण यह स्थान वाराही शक्ति के रूप में जाना जाता है।

प्रयाग शक्तिपीठ

संगम तट पर स्थित प्रयाग शक्तिपीठ का महत्व अत्यधिक है। मान्यता है कि यहां सती का हस्तांगुल गिरा था। प्रयागराज में तीन मंदिर ललितादेवी, कल्याणीदेवी और अलोपीदेवी धाम को शक्तिपीठ माना जाता है। संगम स्नान और इन मंदिरों के दर्शन-पूजन को मोक्षदायक माना जाता है।

उत्तर प्रदेश के ये पांच शक्तिपीठ न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा भी हैं। शारदीय नवरात्रि जैसे पर्व इन स्थानों की महिमा को और बढ़ा देते हैं। यहां दर्शन और पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उन्हें शक्ति और शांति की प्राप्ति होती है।

दंतेश्वरी माता के दरबार में नवरात्रि में उमड़ती है भक्तों की भीड

बस्तर। भारत में नवरात्रि पर्व शुरू हो चुका है। इस पर्व में जगह-जगह पर दुर्गा जी की प्रतिमा स्थापित की जाती है।बस्तर में नवरात्रि के दौरान बस्तर ही नहीं, आसपास के लोग भी दंतेवाड़ा में माता दंतेश्वरी देवी के दर्शन करने पैदल जाते हैं।

नवरात्रि के समय लाखों पदयात्री केवल बस्तर से नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से हर साल दंतेवाड़ा जाते हैं। बस्तर के अनेक श्रद्धालु जगदलपुर से दंतेवाड़ा तक लगभग 100-200 किलोमीटर की यात्रा दंतेश्वरी देवी के दर्शन करने के लिए करते हैं। दंतेवाड़ा भारत के 52 शक्तिपीठों में से एक है, इस कारण इसकी धार्मिक मान्यता भी बहुत अधिक है। जगदलपुर से निकले पदयात्री दो-तीन दिनों में दंतेवाड़ा पहुंच जाएंगे।

नवरात्रि के समय रात के दो बजे से पदयात्रियों की लंबी लाइन लगी रहती है।यह लाइन लेनिन मंदिर से चार किलोमीटर तक तीन-चार लाइनों में होती है। दर्शन करने में आपको छह से आठ घंटे तक का समय लग सकता है।

नवरात्रि के समय लगभग लाखों भक्त दंतेश्वरी माई के दर्शन करने के लिए आते हैं

दंतकथा के अनुसार वंश के राजा अन्नदेव वारंगल से जब दंतेश्वरी माता को लेकर आ रहे थे, तब

दंतेश्वरी देवी ने शर्त रखी थी कि मैं आऊंगी, लेकिन तुम पीछे मुड़कर नहीं देखोगे।जहाँ पीछे मुड़कर देखोगे, वहीं मैं आगे नहीं आऊंगी।अन्नदेव दंतेश्वरी देवी के पैरों की पायल से जान लेते थे कि वे साथ-साथ चल रही हैं। वहीं दंतेवाड़ा के शक्नी-डंकनी नदी में पायल की आवाज़ नहीं आई, तो राजा ने पीछे मुड़कर देखा।तब दंतेश्वरी देवी वहीं रुक गईं और कहा, अब इससे आगे नहीं आऊंगी।दंतेवाड़ा जाने वाले पदयात्रियों के लिए प्रशासन ने जलपान और खाने की व्यवस्था की है, ताकि पैदल यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पैदल यात्री संत राम गुप्ता का कहना है कि हम लोगों को आठ साल हो गए हैं, पैदल यात्रा करते हुए। हम लोग बस्तर के दंतेश्वरी माता को अपनी आराध्य देवी मानते हैं, इसलिए उनके प्रति गहरी आस्था जुड़ी हुई है। हर साल नवरात्रि में हम लोग जाते हैं। जगदलपुर से दंतेवाड़ा का यह सफर हम लोग दो दिन में पूरा करते हैं।पैदल यात्रा से स्वास्थ्य भी ठीक रहता है।

अयोध्या आए हैं और कर चुके हैं राम मंदिर में दर्शन तो इन प्राचीन मंदिरों में जाना न भूलें

अयोध्याः अगर आप परिवार के साथ अयोध्या आने का प्लान बना रहे हैं और अयोध्या के मठ-मंदिरों में दर्शन-पूजन करना चाहते हैं, लेकिन आपको केवल राम मंदिर के बारे में ही पता है, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। राम मंदिर के अलावा और कौन-कौन से पौराणिक मठ-मंदिर हैं, उनकी दूरी कितनी है और वहां कैसे पहुंच सकते हैं, यह सभी जानकारी यहां दी जा रही है।

दरअसल, अयोध्या में 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद प्रभु राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है। अगर आप परिवार के साथ राम मंदिर दर्शन-पूजन करने आ रहे हैं और आपने राम मंदिर में दर्शन-पूजन कर लिया है, तो अब आपके मन में यह सवाल हो सकता है कि और कहां दर्शन-पूजन करने जाएं। कैसे सरयू घाट पहुंचें, कितनी दूरी पर है अयोध्या में सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी, कनक भवन, दशरथ महल और सरयू घाट। आइए, विस्तार से एक नजर डालते हैं।

सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर

राम मंदिर से मात्र 700 मीटर की दूरी पर सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर है। धार्मिक मान्यता है कि अगर आप परिवार के साथ अयोध्या आ रहे हैं, तो पहले आपको सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में हनुमान जी महाराज का दर्शन-पूजन करना होगा, यानी कि हनुमान जी महाराज से आज्ञा लेनी होगी। तब आप राम मंदिर के लिए जा सकते हैं। राम मंदिर से बिरला धर्मशाला के रास्ते हनुमानगढ़ी के लिए रास्ता मुड़ा हुआ है।

कनक भवन मंदिर

इसके अलावा, राम मंदिर से कनक भवन और दशरथ महल के लिए आपको भक्ति पथ का चयन करना होगा। अमावा मंदिर होते हुए दशरथ महल और दशरथ महल के ठीक बाद कनक भवन मंदिर है, जो राम मंदिर से मात्र 600 मीटर की दूरी पर स्थित है।

सरयू घाट

इसके अलावा, राम मंदिर से सरयू घाट की दूरी लगभग 1 से 2 किलोमीटर है, जहां आप लता मंगेशकर चौक होते हुए सरयू घाट पहुंच सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर आप परिवार के साथ अयोध्या आने का प्लान बना रहे हैं और यह जानकारी आपको पता है, तो आपकी यात्रा बेहद सुगम होगी।

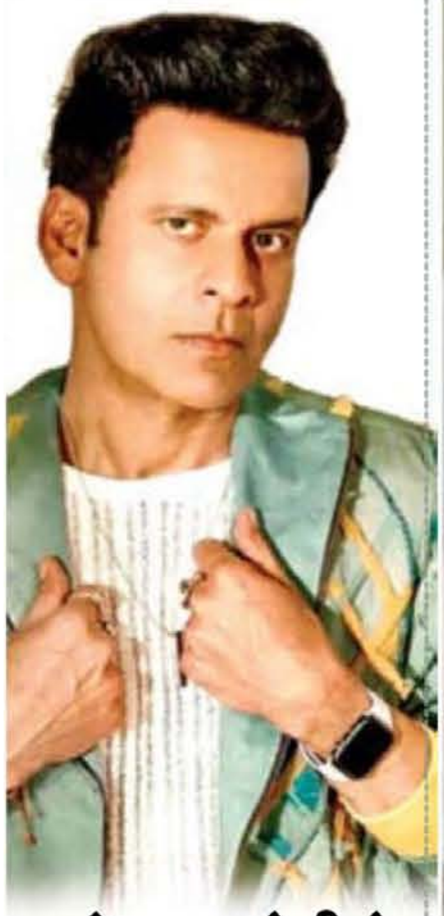

मनोज बाजपेयी ने किया कन्फर्म 'द फैमिली मैन' के सीजन 3 पर चल रहा काम

अभिनेता मनोज बाजपेयी की मशहूर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' को रिलीज हुए शनिवार को 6 साल पूरे हो गए। इस अवसर पर अभिनेता ने सीरीज से जुड़ी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। साथ ही मनोज ने तीसरे सीजन को लेकर भी एक महत्वपूर्ण अपडेट फैंस के साथ साझा की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इंस्टाग्राम पर शो के पहले भाग की कई तस्वीरें साझा की हैं। इन्हें शेयर करते हुए मनोज बाजपेयी ने कैप्शन में लिखा- द फैमिली मैन सीजन 1 को रिलीज हुए 6 साल हो गए हैं और यह एक कल्ट क्लासिक बन गया है। सीजन 3 का क्या? बस समझ लो ऑपरेशन जारी है।

इस सीरीज का पहला पार्ट 2018 में रिलीज हुआ था। यह एक स्पाई एक्शन-थ्रिलर स्ट्रीमिंग वेब सीरीज है। इसके निर्माता राज और डीके हैं। सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का रोल प्ले किया है, जो एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति हैं और राष्ट्रीय जांच एजेंसी में काम करते हैं। वह इसमें थ्रेट एनालिसिस एंड सर्विलांस सेल (टीएएससी) के एक खुफिया एजेंट के रूप में लोगों को बहुत पसंद आए। पहले सीजन में प्रियामणि, शरद केलकर, नीरज माधव, शारिब हाशमी, दलीप ताहिल, सनी हिंदुजा और श्रेया धनवंतरी जैसे सितारे दिखाई दिए। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु को इस सीरीज के दूसरे सीजन में खलनायक की भूमिका में काफी पसंद किया गया। दूसरे सीजन में श्रीकांत तिवारी टीएएससी छोड़कर परिवार के साथ रहने लगते हैं, लेकिन जैसे ही देश पर खतरा मंडराने लगता है, तो वह नौकरी छोड़ फिर से फोर्स में चले जाते हैं। अब इसके तीसरे सीजन का इंतजार दर्शकों को है। बताया जा रहा है कि इसे इस साल अक्टूबर के अंत तक रिलीज किया जा सकता है। तीसरे सीजन में जयदीप अहलावत खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे। मनोज बाजपेयी को पिछली बार फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे में देखा गया था। इसमें वे लीड रोल में थे। फिल्म में जिम सर्भ, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और भालचंद्र कदम जैसे कलाकार भी अहम किरदार में दिखाई दिए। इसी के साथ ही उनकी फिल्म जुगनुमा हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म को राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है।

टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर बोलीं नायरा बनर्जी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें।

उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता। नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया। मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है। नायरा बनर्जी का मानना है कि आज के समय में हर प्लेटफॉर्म की अपनी खास ऑडियंस है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग से प्यार है, और मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे। चाहे वह वेब सीरीज हो, फिल्म हो या टीवी शो, अगर कंटेंट अच्छा है और किरदार में दम है, तो मैं जरूर उस प्रोजेक्ट को चुनूंगी।

उम्र संबंधी सवाल पर भड़कीं लक्ष्मी मांचू

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने तेलंगाना फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (टीएफसीसी) में औपचारिक रूप से एक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एक पत्रकार ने हाल ही में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उनके रूप और उम्र को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। अभिनेत्री ने पत्रकार पर 47 साल की उम्र में उनके पहनावे के बारे में सवाल करने पर अपमान और अनादर का आरोप लगाया है।

जवाबदेह ठहराए जाने की मांग की

खबरों के मुताबिक मांचू ने टीएफसीसी को एक लिखित बयान सौंपकर अपने साथ हुए व्यवहार के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि ये टिप्पणियां न केवल शर्मसार करने वाली थीं, बल्कि अपमानजनक भी थीं। अभिनेत्री ने चैंबर से अनुरोध किया है कि वह इस घटना का संज्ञान ले और पत्रकार को जवाबदेह ठहराए।

अभिनेत्री ने लिखा खत

अपने लिखित बयान में अभिनेत्री ने लिखा भारत एक ऐसा देश है जो महिलाओं को शक्ति के रूप में पूजता है, फिर भी जब हम काम करने के लिए बाहर निकलते हैं, तो हमें अपमान और अनादर का सामना करना पड़ता है। यह जारी नहीं रह सकता। मैं न केवल खुद के प्रति, बल्कि उन सभी महिलाओं के प्रति भी ऋणी हूं जो मुझसे प्रेरणा लेती हैं कि मैं इस मुद्दे को उठाऊं।

उम्र संबंधी सवाल पर नाराज हुई अभिनेत्री

हाल ही में एक प्रमोशनल इवेंट में एक पत्रकार ने लक्ष्मी मांचू से 47 साल की उम्र में उनके पहनावे के बारे में पूछा। इस सवाल से अभिनेत्री नाराज हो गई और उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि क्या वह पुरुष अभिनेता से भी यही सवाल पूछेंगे।

सुर्खियों में रही हैं लक्ष्मी

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू हाल ही में तब सुर्खियों में आईं जब ईडी ने उनसे एक अवैध सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के मामले में पूछताछ की। लक्ष्मी मांचू ही एकमात्र सेलेब्रिटी नहीं हैं जो जांच के घेरे में हैं। इस मामले में अभिनेता प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और राणा दग्गुबाती से भी पूछताछ की जा चुकी है।

इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हो चुकी है। इसमें बॉबी देओल एक सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका निभा रहे हैं। बॉबी देओल और शाहरुख खान की दोस्ती बहुत पुरानी है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान बॉबी देओल ने आईएएनएस से अपनी 3 दशक पुरानी दोस्ती पर बात की। बॉबी देओल ने कहा, शाहरुख जिस तरह के इंसान हैं, यही वजह है कि आज वे इस मुकाम पर हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं और परिवार को लेकर बहुत सजग रहते हैं। मुझे यकीन है कि बस एक ही बात उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती है, वह यह कि वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हर माता-पिता में यही समानता होती है। हालांकि इन 30 सालों में हम कभी एक-दूसरे के ज्यादा संपर्क में नहीं रहे, लेकिन जब भी हम मिलते हैं तब ऐसा नहीं लगता कि हम लंबे समय बाद मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हर बार शाहरुख आपको बहुत खास महसूस कराते हैं। वह हमेशा आपको प्यार और स्नेह देते हैं और ये बहुत मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। वह हमेशा अपनी सीमा से हटकर काम करते हैं। वह सबसे अच्छे और दयालु इंसान हैं, भले ही वह इतने बड़े स्टार बन गए हों। बॉबी देओल कहते हैं, उन्होंने वह गुण नहीं खोया। मुझे लगता है कि यह बात शो में मेरे सह-कलाकारों समेत सभी को जो उनसे प्रेरणा लेते हैं, ध्यान में रखनी चाहिए कि अपनी इंसानियत कभी न खोएं। मुझे लगता है कि शाहरुख के बारे में यही अविश्वसनीय और बेहतरीन बात है।

इससे पहले बॉबी देओल ने कहा था कि इस सीरीज के लिए उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही हां कर दिया था। लेकिन इसके निर्देशक आर्यन खान ने स्क्रिप्ट सुनने पर जोर दिया तो वह उनसे मिलने गए थे। यह मीटिंग 7 घंटे तक चली थी। इस दौरान उन्हें समय का पता ही नहीं चला। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

अक्षय-सैफ की फिल्म हैवान में कैमियो करेंगे मोहनलाल

मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन इन दिनों अपनी अपकमिंग हिंदी फिल्म हैवान में व्यस्त हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में होंगे। एक इंटरव्यू में फिल्म निर्माता ने आखिरकार फिल्म के बारे में एक बड़ी अपडेट दी है। उन्होंने बताया है कि मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल इस फिल्म में नजर आएंगे। उन्होंने उनके किरदार को लेकर भी बात की है।

कहानी पर ध्यान देते हैं प्रियदर्शन

हाल ही में बातचीत में प्रियदर्शन से पूछा गया कि क्या वह अक्षय और मोहनलाल के साथ एक पूरी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं? इस पर प्रियदर्शन ने कहा अगर आप मुझसे हैवान के बारे में पूछ रहे हैं, तो मोहनलाल उस फिल्म में हैं। हालांकि वह कौन सा किरदार निभा रहे हैं, इस पर मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता। जब भी मैं कोई फिल्म बनाता हूं, तो मुझे कहानी ही उत्साहित करती है। मैं कभी भी कलाकारों के बारे में नहीं सोचता।

कलाकारों के पीछे नहीं भागते प्रियदर्शन

प्रियदर्शन ने आगे कहा फिल्म बनाने के लिए सबसे पहले स्क्रिप्ट होती है। फिर एक्टर आते हैं। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं मोहनलाल और अक्षय कुमार को साथ लेकर फिल्म बनाऊंगा। अगर आप अभिनेता को ध्यान में रखकर फिल्म बनाएंगे तो आपको कभी स्क्रिप्ट ही नहीं मिलेगी। जब भी आपको कोई स्क्रिप्ट मिले, तो सही कलाकारों के पीछे लग जाएं। यही फिल्म बनाने का सही तरीका है।

हेरा फेरी 3 फिल्म विवाद पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की पॉपुलर फ्रेंचाइजी हेरा फेरी की आगामी फिल्म हेरा फेरी 3 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। बीते महीनों इस फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ था, जिसकी मुख्य वजह परेश रावल थे, क्योंकि उन्होंने अचानक फिल्म छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि बाद में सब कुछ ठीक हो गया था। इस मामले पर बीते दिनों परेश रावल ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे और परेश को कभी कोई समस्या नहीं हुई। जहां तक मुझे पता है, अक्षय और परेश को भी कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। कुछ और लोग थे, जो परेश पर दबाव बना रहे थे। परेश रावल एक ऐसे इंसान हैं, जैसे आप जानते हैं कि जो लोग डरते हैं कि मैं बीमार हूं और इसे लेकर बहुत ज्यादा परेशान हो जाते हैं। हालांकि समस्या कोई और है। इसलिए वो डरते हैं, लेकिन हमारे रिश्ते पर इसका कोई असर नहीं हुआ।'

हैवान के बारे में

प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी वाली अपकमिंग फिल्म हैवान बन रही है। मोहनलाल इसमें कैमियो रोल करेंगे। यह फिल्म मोहनलाल की फिल्म ओप्पम (2016) पर आधारित बताई जा रही है। हैवान ने पहले ही सुर्खियां बटोर ली हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें समुथिरकानी, सैयामी खेर, श्रेया पिलगांवकर, असरानी और ईनार हेराल्डसन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मिशन शक्ति 5.0 : महिला पुलिसकर्मियों के बच्चों को आधुनिक क्रेच का उपहार

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अंतर्गत थाना सेक्टर-63 परिसर में महिला पुलिसकर्मियों के बच्चों की सुविधा और देखभाल को ध्यान में रखते हुए एक आधुनिक क्रेच (शिशुगृह) का शुभारम्भ किया।

इस क्रेच की स्थापना का उद्देश्य महिला पुलिसकर्मियों को बच्चों के लिये एक सुरक्षित एवं सहयोगी वातावरण प्रदान करना है, जिससे महिला पुलिसकर्मियों अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

इस क्रेच में बच्चों की आयु के अनुरूप आधुनिक संसाधन, शैक्षणिक सामग्री, खेल उपकरण तथा मनोरंजन संबंधी साधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो सके।

पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह क्रेच न केवल बच्चों के समुचित देखभाल का केंद्र बनेगा, बल्कि महिला पुलिसकर्मियों के मन में भी आत्मविश्वास का संचार करेगा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर सदैव अपने पुलिसकर्मियों के कल्याण और उनके परिवारों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इससे पहले पुलिस लाइन में क्रेच संचालित था लेकन अब क्रेच की व्यवस्था थाना सेक्टर-63 के नये भवन में की गई है। आगे भी कमिश्नरेट के थानों में इस व्यवस्था को लागू रखने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार, डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी, डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती प्रीति यादव, एडीसीपी सेन्ट्रल नोएडा श्रीमती शैव्या गोयल सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना की।

सेक्टर-62 श्रीराम मित्र मंडल

कल होगा धनुष भंग, परशुराम-लक्ष्मण वाकयुद्ध

नोएडा (चेतना मंच)। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा आयोजित श्रीरामलीला के तीसरे दिन मुख्य अतिथि उत्तरप्रदेश के दर्जा प्राप्त मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता,पूर्वमंत्री व पूर्व विधायक विमला बाथम,डासना पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी नरसिंहानंद गिरी महाराज,अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील कुमार,राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री वीरेश त्यागी,दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष अशोक कुमार,उत्तरप्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष संजीव राणा,फ़ोनरवा के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा,इंडियन एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव शर्मा एवं महासचिव विशाल गुप्ता,वासुदेव गर्ग,विपिन गुप्ता द्वारा दीप प्रज्जवलित कर रामलीला का शुभारंभ किया गया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि कल 25 सितंबर को राजा जनक द्वारा राजाओं का स्वागत,धनुष भंग करने का प्रयास, जनक के ऊपर लक्ष्मण का क्रोध, रावण का विवाह मंडप में आगमन,राम द्वारा धनुष भंग,परशुराम क्रोध,वरमाला आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा।

इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मुकेश गोयल,मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा,एस एम गुप्ता,अजीत चाहर,मुकेश अग्रवाल,मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता,गिरिराज बहेडिया, चक्रपाणि गोयल, राजेश माथुर, साहिल चौधरी, कुलदीप गुप्ता,सुधीर पोरवाल, नवीन पोरवाल,मोतीराम गुप्ता, अर्जुन अरोड़ा,आर के उप्रेती,दीपक अग्रवाल,बाबूराम शर्मा,दयानंद तिवारी सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

मुख्यमंत्री ने ट्रेड शो-2025 की तैयारियों को लेकर किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार शाम को जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित इण्डिया एक्सपो सेण्टर एवं मार्ट में आज से शुरू हुए यू.पी. इण्टरनेशनल ट्रेड शो-2025 की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टॉल व प्रदर्शनी से लेकर देशी-विदेशी आगन्तुकों के लिए की गई व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सहभागिता के दृष्टिगत सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है, जिसमें देश-विदेश से उद्यमी एवं आगंतुक भागीदारी करेंगे।

ज्ञातव्य है कि यू0पी0 इण्टरनेशनल ट्रेड शो के तृतीय संस्करण में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्योगपतियों, उद्यमियों एवं बायर्स की व्यापक भागीदारी होगी।

इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी', एम0एस0एम0ई0 मंत्री राकेश सचान, लोक निर्माण राज्य मंत्री बृजेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 आलोक कुमार तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जनजातीय बच्चे ट्रेड शो में करेंगे प्रतिभाग

ग्रेटर नोएडा में आज से आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहली बार समाज कल्याण विभाग भी प्रतिभाग कर रहा है। ट्रेड शो में विभाग के स्टाल पर समावेशी विकास की झलक देखने को मिलेगी। यह जानकारी समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने दी। उन्होंने बताया कि आयोजन में प्रतिभाग करने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के 20 बच्चों का चयन किया गया है, इसमें 10 बालक और 10 बालिकाएं शामिल हैं.।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के ऐसे उद्यमियों को ट्रेड शो में आमंत्रित किया जा रहा है, जिनको उद्यम स्थापित करने में समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायता प्रदान की गयी है। स्टाल में समावेशी विकास के साथ विकसित भारत के परिकल्पना की भी झलक दिखेगी।